तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 35 अंक 303 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 02 अगस्त 2024 डाक 03 अगस्त 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने वायनाड में भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा किया और प्रभावित निवासियों से मुलाकात की

देश-विदेश
हमास को दो दिन में दूसरा बड़ा झटका इजरायल ने सैन्य प्रमुख दैफ को गाजा में किया ढेर

फीचर पेज
वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी का नया टीजर जारी, दमदार लुक में नजर आईं तब्बू

हिमाचल में बादल फटने से अब तक 4 लोगों की मौत, 49 लापता... केरल में 308 की गई जान, 200 शव बरामद, रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंचे हेलीकॉप्टर

नईदिल्ली, 02 अगस्त [एजेंसी]।

देश के पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश आफत का सबब बनती जा रही है। केदारनाथ पैदल मार्ग स्थित लिनचोली और भीमबाली बादल फटने, भारी बारिश और भूस्खलन के बाद 16 लोग लापता हो गए। वहीं, एक हजार यात्रियों के केदारनाथ धाम में फंसे होने की सूचना है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, लापता लोगों की तलाश की जा रही है, अब तक इस प्राकृतिक आपदा में करीब 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश के रामपुर में गुरुवार को हुई बादल फटने की घटना के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। राज्य मंत्री राजेश धर्माणी के अनुसार, इस हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है और 49 लोग अभी भी लापता हैं। एनडीआरएफ के सहायक कमांडेंट, करम सिंह ने बताया कि बादल फटने घटना के बाद लगभग 20-25 घर और 40-42 लोग बह गए हैं। भारतीय सेना के साथ एनडीआरएफ की दो टीमें यहां मौजूद हैं।

हम लगातार खोज एवं बचाव अभियान चला रहे हैं । इधर, भूस्खलन के कारण हजारों तीर्थयात्री फंस गए थे। विभिन्न पड़ावों पर 4 हजार यात्री फंस गए थे, जिनका एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस द्वारा रेस्क्यू किया गया। करीब सात सौ लोगों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। उत्तराखंड के धारचूला के न्यू सोबला गांव में भी बादल फटने की खबर सामने आई है, जिससे लागुथान नाला उफान पर आ गया। केंद्र सरकार ने हालातों को देखते हुए और यात्रियों के रेस्क्यू के लिए भारतीय वायु सेना के एक चिनूक और एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया है। इधर, केरल के वायनाड में आई भूस्खलन की घटना के बाद अब भी लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

चूरलमाला में खोज और बचाव अभियान जारी है।केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के अनुसार, इस हादसे में अब तक 308 लोगों की मौत हो चुकी है। केरल के कानून एवं व्यवस्था एडीजीपी एमआर अजित कुमार ने बताया कि पिछले चार दिनों से रेस्क्यू ऑपरेशन किया जा रहा है। भारतीय सेना, एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और विशेष अभियान समूह सहित नौसेना इन सभी क्षेत्रों में काम कर रही है। राजस्व विभाग अभी भी डेटा इकट्ठा करने और यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि यहां कितने लोग हैं और कितने लोग लापता हैं। हमने अब तक 200 से अधिक शव बरामद किए हैं।

15 अगस्त को बड़ी घोषणाएं करेंगे सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी खुशखबरी मिली है। लंबे समय से महंगाई भत्ते का इंतजार कर रहे सरकारी कर्मचारियों को इसी महीने अगस्त में बड़ा अपडेट मिल सकता है। कयास लगाया जा रहा है कि प्रदेश सरकार 15 अगस्त को 4 प्रतिशत डीए बढ़ाने का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि इसकों लेकर अभी अधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन माना जा रहा है कि प्रदेश सरकार अपने कर्मचारियों की झोली इसी महीने भर सकती है। दरअसल, हाल ही में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात की है। इस मुलाकात में प्रतिनिधि मंडल ने संगठन महामंत्री पवन साय को बताया कि कर्मचारियों से किए गए वादे पूरे नहीं होने से कर्मचारियों में निराशा का माहौल है, जबकि सत्ता परिवर्तन में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। संगठन महामंत्री ने प्रतिनिधि मंडल की बातों को सुनने के बाद हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया और वित्त मंत्री ओपी चौधरी तक कर्मचारियों की मांग को पहुंचाया।

12 घरों में तोड़फोड़,एक ग्रामीण की हाथी उत्पात में मौत

जशपुर, 02 अगस्त [एजेंसी]।

जशपुर जिले में हाथियों ने एक ग्रामीण को कुचल-कुचलकर मार डाला। बताया जा रहा है कि अचानक हाथी गांव में घुस गए, जिनसे अपने परिवार बचाने के लिए सुरक्षित जगह लेकर जा रहा था, तभी हाथियों ने हमला कर दिया। पूरा मामला नारायणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बिलासपुर के डूमरडांड का है। मिली जानकारी के मुताबिक बीती आधी रात हाथियों ने ग्रामीण के घर पर हमला कर दिया। मरने वाले ग्रामीण का नाम जगरनाथ राम (55) है। बताया जा रहा है कि एक दंतैल हाथी 3 से 4 गांवों में लगभग 10 से 12 घरों को तोड़ा है। मृतक के परिजनों ने बताया कि जब हाथी घरों को तोड़ने लगा, तो सभी की नींद खुल गई। हाथी की आवाज से जगरनाथ अपने परिवार के साथ जान बचाने दूसरी जगह भाग रहा था, तभी हाथी ने हमला कर दिया। परिवार के लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे। वहीं जगरनाथ की तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

रोपाई खेत में गिरी गाज, 5 महिला मजदूर घायल

जशपुर। जिले के सोगड़ा गांव में खेत में धान की रोपा लगा रही 5 लड़कियां आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। इस घटना में सभी पांचों लड़कियां झुलस गईं। घटना के बाद सभी को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

पंपोर में बादल फटा... बारिश से नदी-नाले उफान पर, वैष्णो देवी में हेलिकॉप्टर सेवा रही बंद

जम्मू । जम्मू-कश्मीर में बीते 24 घंटे के दौरान हल्की से भारी बारिश दर्ज की गई। वीरवार तड़के जम्मू व श्रीनगर समेत कई जिलों में बारिश से नदी-नालों में उफान आ गया। पुलवामा के पंपोर में बादल फटने से एक घर में पानी भर गया, हालांकि कोई नुकसान नहीं हुआ। रामबन के हिंगनी में सुबह करीब आठ बजे पस्सियां गिरने से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग एक घंटे तक बंद रहा। वैष्णो देवी में हेलिकॉप्टर सेवा दिनभर बंद रही। जम्मू में बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया। शहर के बठिंडी इलाके में दो मकान गिर गए। किश्तवाड़ समेत प्रदेश के सभी नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों से दूर रहने की सलाह दी है। राजोरी में सुबह से दोपहर तक भारी बारिश हुई। रियासी, सांबा, कठुआ, पुंछ, डोडा, श्रीनगर में भी बारिश दर्ज की गई है। राजोरी, सांबा, पुंछ में बारिश से सड़कों पर पस्सियां गिरने से कई गांव जिला मुख्यालय से कट गए।

बांहें फैलाकर इंतजार कर रहा हूं, राहुल का दावा

चक्रव्यूह वाले बयान के बाद ईडी बना रही छापेमारी की योजना

नईदिल्ली, 02 अगस्त [एजेंसी]।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दावा किया कि 29 जुलाई को संसद में उनके चक्रव्यूह बयान के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उन पर छापेमारी की योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि वह बाहें फैलाकर इंतजार कर रहे थे, जब ईडी के सूत्रों ने उन्हें बताया कि छापेमारी की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एकिस पर पोस्ट करते हुए कहा, जाहिर है कि दो में से एक को मेरा चक्रव्यूह वाला बयान पसंद नहीं आया होगा। ईडी के सूत्रों ने बताया कि छापेमारी की योजना बनाई जा रही है। मैं बाहें फैलाकर इंतजार कर रहा हूं। मेरी तरफ से चाय और बिस्किट। लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने 29 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला किया था। उन्होंने कहा कि देश के किसान, मजदूर और नौजवान भयभीत है। राहुल गांधी ने कमल के चिह्न को प्रदर्शित करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और दावा किया कि 21 वीं सदी का नया चक्रव्यूह रचा गया है। उन्होंने आगे कहा, कुरुक्षेत्र में हजारों साल पहले छह लोगों ने अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर मार डाला था। मैंने थोड़ा रिसर्च किया और पाया कि चक्रव्यूह को पद्मव्यूह से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है कमल का निर्माण। चक्रव्यूह कमल के आकार का होता है। 21वीं सदी में नया चकक्रव्यूह रचा गया है। प्रधानमंत्री इसका चिह्न अपने सीने पर पहनते हैं। जो अभिमन्यु के साथ किया गया, वही अब जेश की जनता के साथ किया जा रहा है। अभिमन्यु को छह लोगों ने मारा था। आज छह लोग चक्रव्यूह के केंद्र में है।

आज छह लोग भारत को चला रहे हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, अजीत डोभाल, मोहन भागवत, अंबानी और अदाणी। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष ने मध्यम वर्ग पर वार किया है। जो चक्रव्यूह केंद्रीय सरकार रच रही है, वह करोड़ों लोगों को नुकसान पहुंचा रहा है। राहुल गांधी के इस बयान पर अनुराग ठाकुर ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने चक्रव्यूह का मुद्दा उठाकर अच्छा किया, क्योंकि इस देश ने कांग्रेस के कई सारे चक्रव्यूह को अच्छे से देखा है। उन्होंने कांग्रेस पर सात चक्रव्यूह का जिक्र कर कहा कि पहला चक्र चक्रव्यूह कांग्रेस खुद है जिसने देश को बांट दिया। इस पर पीएम मोदी ने अनुराग ठाकुर के इस बयान पर उनकी सराहना की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, मेरे युवा और ऊर्जावान सहयोगी अनुराग ठाकुर का यह भाषण अवश्य सुनना चाहिए। यह तथ्य और हास्यों के साथ विपक्षी गठबंधन इंडिया की गंदी राजनीति को उजागर करता है। संसद में बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू हुआ था। इस सत्र का समापन 12 अगस्त को होगा।

शराब घोटालाः अनवर ढेबर, अरूणपति को मेरठ जेल से रायपुर लाने का रास्ता साफ

नकली होलोग्राम केस में जेल में हैं बंद

रायपुर, 02 अगस्त [एजेंसी]।

शराब घोटाला मामले के आरोपित अनवर ढेबर और पूर्व आबकारी अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी को उत्तरप्रदेश के मेरठ जेल से रायपुर लाने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल दोनों के खिलाफ ईडी की विशेष कोर्ट ने प्रोडक्शन वारंट जारी किया है।

ईडी की ओर से कोर्ट में लगाए गए आवेदन पर जारी प्रोडक्शन वारंट के आधार पर अब मेरठ जेल में बंद दोनों आरोपितों को रायपुर लाकर ईडी रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। 19 जून को रायपुर केंद्रीय जेल में बंद अनवर ढेबर को हाईकोर्ट से मेडिकल ग्राउंड के आधार पर जमानत मिली थी, जमानत पर जेल से बाहर निकलते ही यूपी एसटीएफ ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी- बड़े पैमाने पर नहीं हुआ पेपरलीक, सिर्फ पटना और हजारीबाग तक ही सीमित

नईदिल्ली, 02 अगस्त [एजेंसी]।

नीट यूजी पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर पेपर लीक नहीं हुआ है, यह घटना पटना और हजारीबाग तक ही सीमित रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि 'केंद्र द्वारा गठित समिति परीक्षा प्रणाली की साइबर सुरक्षा में संभावित कमजोरियों की पहचान करने और परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी निगरानी के लिए तकनीकी प्रगति के लिए एसओपी तैयार करने पर भी विचार कर रही है।' अधिवक्ता श्वेतांक सेलकवाल ने बताया कि 'सुप्रीम कोर्ट ने पेपर लीक को लेकर कई दिशा निर्देश तय किए हैं। कोर्ट ने हजारीबाग और पटना में हुए पेपर लीक को संज्ञान में लिया है और एक कमेटी भी बनाई गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कमेटी को उन सभी बिंदुओं को शामिल करने का निर्देश दिया है। जो फैसले में निर्धारित किए गए हैं। सेलकवाल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि आपको पेपर ले जाने की प्रक्रिया का ध्यान रखना होगा, सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। साथ ही समिति को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए हैं। समिति को दो महीने का समय दिया गया था, जिसे कुछ समय के लिए बढ़ा दिया गया है।'

खालिस्तानी आतंकी पन्नू पर प्यार बरसा रहा अमेरिका, कहा- मुद्दे को हाई लेवल तक उठाएंगे

वाशिंगटन, 02 अगस्त [एजेंसी]।

अमेरिका ने एक बार फिर से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का राग अलापा है। अमेरिका ने दोहराया है कि वह पन्नू की कथित हत्या के संबंध में चल रही जांच में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ कहा कि इस मामले को अमेरिका हाई लेवल पर भारत सरकार के सामने अपनी चिंताओं को उठाता रहेगा।

दरअसल, गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश को लेकर भारत में जांच चल रही है। अमेरिका ने अपने एजेंट के जरिए पन्नू की हत्या करवाने का आरोप भारत पर लगाया है। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, हम अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की असफल कोशिश एक भारतीय सरकारी कर्मचारी की कथित भूमिका के संबंध में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं, हम हाई लेवल पर सीधे भारत सरकार के साथ अपनी चिंताओं को उठाते रहेंगे। वहीं, उप प्रवक्ता वेदांत पटेल से कनाडा में भी हुई गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश के बारे में जब पूछा तो उन्होंने कहा, कनाडा से जो खबर आई हैं, मैं आपको कनाडाई सरकार के पास उन मुद्दों पर टिप्पणी करने के लिए कहूंगा। यह घटना कनाडा के अधिकार क्षेत्र में हुई है।

भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर गुरपतवंत पन्नू की कथित असफल हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। भारत ने खालिस्तान को समर्थन करने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। अमेरिकी के कानून विभाग ने आरोप लगाया है कि 52 साल के निखित गुप्ता भारत सरकार का सहयोगी है और उन्होंने और अन्य लोगों के साथ मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नून की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी। पन्नू के पास अमेरिका के साथ में कनाडाई नागरिकता है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

मध्यप्रदेश के शासकीय कर्मियों के लिए खुशखबरी रक्षाबंधन के पहले होगा महंगाई भत्ते के एरियर का भुगतान

- एमपी में कर्मचारियों को फिलहाल 46 फीसदी दर से मिल रहा महंगाई भत्ता।
- जुलाई 23 से फरवरी 24 तक का एरियर तीन किश्तों में दे रही है सरकार।
- दूसरी किस्त की भी राशि भी प्रदेश शासन के वित्त विभाग ने विभागों को दी।

भोपाल, 02 अगस्त [एजेंसी]।

प्रदेश के 10 लाख से अधिक कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। वित्त विभाग द्वारा कर्मचारियों को महंगाई भत्ते के एरियर की राशि का भुगतान रक्षाबंधन के पहले कर दिया जाएगा। इसके लिए वित्त विभाग में सभी विभागों को दूसरी किस्त की राशि भी उपलब्ध करा दी है। प्रदेश में कर्मचारियों को फिलहाल 46 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। इससे पहले 42 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा था। कर्मचारियों का चार प्रतिशत महंगाई भत्ता एक जुलाई 2023 से बढ़ाया गया था, लेकिन इसका

भुगतान एक अप्रैल 2024 से किया गया। जुलाई 2023 से फरवरी 2024 की महंगाई भत्ते का भुगतान तीन समान किस्तों में करने का निर्णय लिया गया था। ये तीनों किस्तें जुलाई, अगस्त और सितंबर के महीने में देना तय हुआ था। सरकार ने आम चुनाव से पहले इसी साल मार्च में कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4 प्रतिशत बढ़ाने के आदेश जारी किए थे। महंगाई भत्ते में 4 फीसदी की बढ़ोतरी से कर्मचारियों को मासिक वेतन में 900 से लेकर 6500 रुपये तक लाभ हुआ।

जाली नोट का कारोबार, 2 और गिरफ्तार

जशपुर, 02 अगस्त [एजेंसी]।

पुलिस ने जाली नोटों का व्यापार करने वाले एक गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता प्राप्त की है। इस अभियान में दो आरोपी, ललित कुमार त्रिपाठी और अर्जुन राम पुलिस की गिरफ्त में आ गए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी संपत कुमार टोप्पो से 75 हजार रुपए के जाली नोट और 49 हजार रुपए के असली नोट बरामद किए गए। संपत कुमार टोप्पो की गिरफ्तारी के बाद उसके सहयोगियों की तलाश की जा रही थी। बीते 30 जून को थाना बागबहार द्वारा ग्राम चिकनीपानी के भरारी नाला के पास घेराबंदी कर संपत कुमार टोप्पो को गिरफ्तार किया गया। संपत कुमार ने पूछताछ में ललित कुमार त्रिपाठी के माध्यम से जाली नोटों का व्यापार करने की जानकारी दी। जिसके आधार पर ललित कुमार त्रिपाठी और अर्जुन राम को 31 जुलाई को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उनके पास से कोई जाली नोट या संबंधित उपकरण बरामद नहीं हुए। मामले का एक आरोपी अभी भी फरार है और पुलिस द्वारा उसकी लगातार तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने कहा कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए स्पेशल टीम लगाई गई है।

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com

प्रेस क्लब में पत्रकारों से वित्त मंत्री ने बजट के संबंध में की चर्चा

विकसित भारत की संकल्प यात्रा का दिशा-निर्देशक है केंद्रीय बजट: मंत्री ओपी चौधरी

कोरबा । छत्तीसगढ़ के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने अपने कोरबा प्रवास के दौरान प्रेस क्लब कोरबा में केंद्र सरकार के आम बजट के सम्बंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरबा जिला उनके प्रशासनिक जीवन की नर्सरी रही है। यहां उन्होंने अपने प्रशासनिक जीवन की शुरुआत की है। यहां आना उनके लिए हमेशा यादगार रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट अमृतकाल के विजन का नींव है। यह बजट विकसित भारत की संकल्प यात्रा का दिशा-निर्देशक बजट है, जो समृद्ध और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ विकसित भारत के संकल्प को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह बजट देश की आर्थिक उन्नति को बढ़ावा देगा एवं प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने में सहायक होगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि अमृत काल के विजन पर फाउंडेशन रखने का कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। प्रधानमंत्री के लांग टर्म विजनरी सोच के साथ बजट लाया गया है। जिससे 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। पिछले 10 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें नंबर से 5वें स्थान पर आ गई है। आने वाले 5 साल में भारत की अर्थव्यवस्था को तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है।

कैबिनेट मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि केंद्रीय बजट में विकास का मुख्य बिंदु लङ्ख्ह है। यह बजट गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारी शक्ति को समर्पित है। वित्त मंत्री ने कहा, बजट में गरीब कल्याण, किसान का उत्थान, मातृशक्ति का सम्मान और नौजवानों की मुस्कान समाहित है। बजट में मातृशक्ति का दर्शन, राम राज्य का विजन, विकसित भारत का संकल्प एवं आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य समाहित है। देश के इन वर्गों को विकसित बनाने से ही राष्ट्र का विकास होगा। इस के अतिरिक्त बजट में शिक्षा, रोजगार, कौशल, एमएसएमई, मध्यम वर्ग पर विशेष ध्यान दिया गया है। वैज्ञानिक शोध और अनुसंधान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए अलग प्रावधान रखा गया है।

बजट में ईपीएफओ के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि औपचारिक क्षेत्रों में पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों को लक्षित करती है, जिसके तहत उन्हें ईपीएफओ पंजीकरण के माध्यम से तीन किस्तों में वितरित प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के रूप में एक महीने का वेतन प्रदान किया जाता है। लाभ 15,000 रुपये प्रति माह तक हो सकता है, जिसमें पात्रता 1 लाख रुपये प्रति माह तक के वेतन पर निर्धारित की गई है। इस पहल से लगभग 210 लाख युवा व्यक्तियों को लाभ मिलने का अनुमान है उन्होंने कहा कि रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन देकर विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है। कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों को रोजगार के शुरुआती चार वर्षों के दौरान उनके ईपीएफओ अंशदान से सीधे संबंधित निर्दिष्ट प्रोत्साहन प्राप्त होंगे।

अतिरिक्त रोजगार अवसरों को प्रोत्साहित करके सभी क्षेत्रों में नियोक्ताओं का समर्थन करना है। सरकार प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी की नियुक्ति के लिए नियोक्ताओं को उनके ईपीएफओ अंशदान के लिए दो साल तक 3,000 रुपये प्रति माह तक की प्रतिपूर्ति करेगी। बजट में महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल निर्माण किया जाएगा एवं शिशु गृह का निर्माण किया जाएगा। हब एंड स्कोप मॉडल के आधार पर राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर उद्योग की आवश्यकता के अनुसार 1000 आईटीआई का उन्नयन किया जाएगा। बजट में देश के 1 करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप का प्रावधान रखा गया है। 500 बड़े चिन्हाकित उद्योग में प्रशिक्षण दिया जाएगा और युवाओं को 5000 इंटर्नशिप भत्ता भी प्रदान किया जाएगा।

कौशल विकास को बढ़ावा देते हुए बजट में युवाओं के लिए साढ़े 7 लाख तक ऋण का प्रावधान एवं उच्च शिक्षा में 10 लाख तक लोन का प्रावधान है। साथ ही 3 प्रतिशत तक ब्याज में सब्सिडी प्रदान किया जाएगा। बजट में आवास के क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा 10 साल में 4 करोड़ आवास बनाने का काम किया गया है एवं आने वाले 5 साल में देश मे 3 करोड़ नए आवास बनने का काम किया जाएगा इससे पिछड़े परिवारों को छत मिलेगा एवं अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसी प्रकार शहरी क्षेत्रो में प्रधानमंत्री आवास शहरी के तहत 10 लाख करोड़ रुपए निवेश कर 1 करोड़ शहरी आवास बनने का लक्ष्य रखा गया है।

बजट में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए विशेष प्रावधान है।बजट में छोटे व्यापारियों एमएसएमई को प्रगति का नया रास्ता मिलेगा, बजट में मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर पर वृहद स्तर पर ध्यान रखा गया है। इससे आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। देश में 100 औद्योगिक पार्क स्थापित किये जायेंगे। क्रिटिकल मिनिरल मिशन की शुरुवात की जाएगी। ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना शुरुआत की गई है।अधोसरंचना पर व्यय आधारभूत सरंचना होती है। बजट में 11 लाख 11 हजार 111 करोड़ आधार बहुत सरंचना पर खर्च करने का प्रावधान है। साथ ही नवाचार अनुसंधान एवं विकास हेतु 1 लाख करोड़ का प्रावधान है। आयकर स्लैब में भी बदलाव किया गया है। जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत मिलेगी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि बजट में किसान, मध्यम वर्ग, महिला से लेकर सभी वर्गों के लिए जो रूपरेखा रखी है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था को सही रास्ते और उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बजट एलोकेशन लगातर बढ़ता जा रहा है। 2047 तक विकसित भारत बनने हेतु रोडमैप तैयार कर कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार राज्य में भी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सुशासन की सरकार द्वारा विकसित छत्तीसगढ़ बनाने हेतु सतत कार्य किया जा रहा है। राज्य की जीडीपी को आने वाले 5 सालों में दौगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। जिससे छत्तीसगढ़ विकास की एक नई ऊंचाई पर पहुँचेगा।

2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कोरबा । गुजरात के रेगिस्तान कच्छ में डेढ़ लाख करोड़ रूपए की लागत से 34 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन करने, गरीब युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के विकास को केंद्रित करते हुए वर्ष 2047 तक आजादी के अमृतकाल में विकासशील भारत से विकसित भारत बनाने के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी दृढ़ संकल्पित हैं और वह लक्ष्य प्राप्ति के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। विकसित भारत की तर्ज पर हम सबको 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाना है, इसका विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। उक्त वक्तव्य छत्तीसगढ़ के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने गुरूवार को कोरबा में केंद्रीय बजट 2024-25 विषय पर आयोजित प्रबुद्ध जनसंवाद में व्यक्त किए।

उन्होंने केंद्रीय बजट 2024-25 पर संवाद करते हुए कहा कि आज दुनिया में भारत 28-29 वर्ष की औसत आयु से सबसे युवा देश है। इस युवाशक्ति को ध्यान में रखकर विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इण्डिया की थीम को प्रोत्साहित किया है। इसके तहत भारत में देशी उत्पादकों पर टैक्स कम किया है, ताकि लोकल से ग्लोबल तक का सफर आसानी से तय किया जा सके। इसके साथ ही देश में कारखानों, औद्योगिक निर्माण इकाई स्थापित करने वाले युवा जो कि ईपीएफओ में पंजीकृत हैं उन्हें 15 हजार रूपए मासिक देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने युवाओं को रोजगार देने के लिए और औद्योगिकीकरण को ध्यान में रखते हुए देश के 500 उद्योगों का चिन्हांकन किया है जहां पर आगामी 05 वर्ष में 01 करोड़ युवाओं को 05 हजार रूपए मासिक इंसेंटिव दिया जाएगा। इसके साथ ही युवाओं के कौशल उन्नयन के लिए देश के 01 हजार आईटीआई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को प्रोन्नत किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं, शिशुवती माताओं के लिए अनुकुल वातावरण के छात्रावास बनाए जाएंगे। गरीब एवं कमजोर वर्ग के ग्रामीणों के लिए पिछले 10 वर्षों में 04 करोड़ आवास बनाए गए हैं और आगामी 05 वर्षों में 03 करोड़ ग्रामीणों के लिए घर बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

केंद्रीय बजट में प्रधानमंत्री शहरी आवास 2.0 के तहत शहरी क्षेत्रों में 10 लाख करोड़ का निवेश करके 01 करोड़ शहरी आवास बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जनजाति उन्नत ग्राम अभियान के तहत 63 हजार ग्रामों के 05 करोड़ आदिवासियों को उन्नत किया जाएगा। ई-कॉमर्स निर्यात सेंटर से लोकल कलाकारों के उत्पाद, कलाकृतियों को अच्छे दाम मिल सकेंगे। देश में 500 नए औद्योगिक पार्क बनाए जाएंगे जिसमें युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश रेल मार्ग, वायु मार्ग से संपर्क है तथा देश के केंद्र में है और औद्योगिक अनुकुल वातावरण यहां उपलब्ध है। इस दृष्टि से प्रदेश में रोजगार एवं औद्योगिक गतिविधियों को भविष्य में और भी बल मिलेगा, जिसका लाभ प्रदेशवासियों को मिलेगा। वर्तमान समय में प्रासंगिक इलेक्ट्रिक व्हीकल में लीथियम की उपयोगिता महत्वपूर्ण है, जिसका बड़ा भण्डार कटघोरा में मिला है। देश एवं प्रदेश में आधारभूत अधोसंरचना के निर्माण, विभिन्न क्षेत्रों में कृषि, आवागमन की सुविधाओं का विस्तार तेज गति से किया जा रहा है, जिसके आधार पर हम सब विकसित भारत की तर्ज पर 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाएंगे।राज्य की स्थापना दिवस 01 नवंबर 2024 को विकसित छत्तीसगढ़ का विजन डॉक्यूमेंट जनता को समर्पित किया जाएगा। केंद्रीय बजट 2024-25 विषय पर आयोजित प्रबुद्ध जनसंवाद में चार्टर अकाउंटेंट, अधिवक्तागण, चिकित्सकगण, शिक्षक एवं आचार्य, पत्रकार, बैंकर्स सहित विभिन्न वर्गों के प्रबुद्धजीवी उपस्थित थे।

कलेक्टर अजीत वसंत ने महतारी वंदन हितग्राहियों को किया पौधे का वितरण

कोरबा । कलेक्टर अजीत वसंत और वनमण्डलाधिकारी कोरबा श्री अरविंद पीएम ने आज एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महतारी वंदन की हितग्राहियों को पौधे का वितरण किया। उन्होंने हितग्राहियों से अपील की कि वे इन पौधों को सुरक्षित जगह पर लगाएं और बड़ा होने तक इसकी देखरेख सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति हम सभी की जिम्मेदारी है कि आने वाले भविष्य के लिए हम अभी से अपने आसपास कोई न कोई पेड़ जरूर लगाएं। वृक्ष लगाने से हमें शुद्ध वातावरण उपलब्ध होगा। कलेक्टर ने महतारी वंदन के हितग्राहियों शासन से प्राप्त राशि का सदुपयोग करने की भी अपील की।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कोरबा शहरी क्षेत्र के राजेन्द्र प्रसाद नगर दशहरा मैदान परिसर में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों के उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों से अपने समस्या के निराकरण के लिए आने वाले लोगो को प्राथमिकता से राहत पहुचाने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री प्रतिष्ठा ममगाई उपस्थित थीं।

शिविर में कलेक्टर, डीएफओ तथा अन्य अधिकारियों ने महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों को एक पेड़ मां के नाम के तहत आंवला, अमरूद, नीम, इमली के पौधे का वितरण किया। इस अवसर पर महतारी वंदन की हितग्राहियों रागनी गुप्ता, सावन, शशि, गायत्री, अनिता राठौर, विमला सिंह, सपना राजपुत, खुशबु चंद्रा, सीमा दुबे, रमेश दास, वेदमति चंद्रा, गीता दुबे, सुमित्रा साहू, विमला, रामकुमारी महंत, पुष्पा चंद्रा, चंद्राबाई यादव, गीता शर्मा, मिथला साहू, राजवंती, सविता यादव, कल्पना कलिन्दी राठौर, नर्मदा साहू आदि को पौधे का वितरण किया गया।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल की शिकायत पर प्रदेश सरकार ने लिया संज्ञान

कोरबा। कोयला उत्खनन के लिए एस.ई.सी.एल. प्रबंधन द्वारा कोरबा में संचालित कुसमुण्डा खदान में हैवी ब्लास्टिंग की वजह से क्षेत्र के निवासियों के मकानों में लगातार पड़ रही दरारें, मकानों की छतों पर ब्लास्टिंग से उछलकर गिरने वाले भारी पत्थरों की वजह से हो रहे नुकसान के साथ ही निवासियों के जान माल के जोखिम के मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने 05 फरवरी, 2024 को कोरबा कलेक्टर को पत्र लिखते हुए प्रतिलिपि छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव सहित सचिव उद्योग विभाग व एस.ई.सी.एल. के सी.एम.डी. से अपेक्षा किया था कि खदान क्षेत्र के निकटवर्ती बसाहट वाले ग्रामीणों को प्राथमिकता के आधार पर राहत दिलाने प्रबंधन के साथ ठोस रणनीति बनाकर कड़ाई से अमल में लाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

इस संबंध में विषय की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के अवर सचिव खनिज साधन विभाग एम. चन्द्रशेखर ने 25 जुलाई को संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि जनहित में कुसमुण्डा क्षेत्र के निवासियों के जान माल की सुरक्षा की दृष्टि से खदान प्रबंधन द्वारा कराए जा रहे हैवी ब्लास्टिंग पर अंकुश लगाने के संबंध में प्रकरण की जांच कर प्रतिवेदन अभिमत सहित संबंधितों के साथ साथ विभाग को उपलब्ध करवाया जाए।सरकार की पहल पर जयसिंह अग्रवाल ने उम्मीद जताई है कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने पर कुसमुण्डा खदान के निकटवर्ती बसाहट वाले क्षेत्रों के निवासियों को हैवी ब्लास्टिंग से राहत मिल सकेगी।

उरगा-चाम्पा, उरगा-पत्थलगांव राष्ट्रीय मार्ग के निर्माण में आई गति

कोरबा । राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 149 बी चांपा-कोरबा-छुरी-कटघोरा मार्ग चौड़ीकरण कार्य में मुआवजा को लेकर बनी रूकावटों को दूर किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देश के पश्चात् एसडीएम कोरबा द्वारा इस मार्ग से प्रभावित ऐसे लोग जिन्होंने मुआवजा प्राप्ति के पश्चात् परिसंपत्तियां नहीं हटाई थी, मुआवजे का भुगतान संबंधित के बैंक खाते में करने के पश्चात् लगभग 12 लोगों की संपत्ति हटाई गई। संपत्ति हटाए जाने के पश्चात् नेशनल हाईवे का निर्माण कार्य द्रुत गति से चल रहा है। इस मार्ग के बनने के पश्चात् कोरबा वासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।एसडीएम कोरबा श्री श्रीकांत वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 149 बी चांपा-कोरबा-छुरी-कटघोरा मार्ग चौड़ीकरण कार्य में तहसील बरपाली एवं तहसील कोरबा अंतर्गत कृषकों के प्रभावित निजी भूमि पर स्थित परिसंपत्तियों के मुआवजे का भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से संबंधित को बैंक खाता में किया जा चुका है परंतु कुछ प्रभावितों द्वारा अर्जन में प्रभावित परिसंपत्तियों का आधिपत्य अपेक्षक निकाय (एनएचआई) को सौंपा नहीं गया था। जिला प्रशासन द्वारा परियोजना में प्रभावित परिसंपत्तियों को तत्काल प्रभाव से हटाए जाने की कार्यवाही की गई। प्रभावित परिसंपत्तियों में खसरा क्रमांक 527/4 पक्षकार श्री तुलाराम पिता नत्थुराम, खसरा 703/3ख पक्षकार विजय, पिता काशीराम अग्रवाल, खसरा 703/8क पक्षकार श्री उमेश कुमार पिता रामनिवास अग्रवाल, खसरा 769/1 पक्षकार श्री जवाहर साहू/गजाधर साहू खसरा 371 पक्षकार श्रीमती गौरी गीता देवी आदिले, खसरा 358/2 पक्षकार श्री रोशनलाल अग्रवाल, खसरा 487/1 पक्षकार श्री पुरूषोत्तम वगैरह, नंदलाल, खसरा 487/3 पक्षकार श्री पुरूषोत्तम वगैरह, नंदलाल, खसरा 458/1 पक्षकार श्री फिरनलाल देवांगन, खसरा 828/13 पक्षकार श्रीमती रेखा अग्रवाल, खसरा 828/26 पक्षकार श्रीमती बरखा अग्रवाल, खसरा 435/20 पक्षकार श्री जितेन्द्र कुमार जैन शामिल हैं, जिन्हें मुआवजा भुगतान कर दिया गया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं सक्षम भू-अर्जन अधिकारी के माध्यम से परिसंपत्तियों को हटाए जाने की कार्यवाही संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार कोरबा/बरपाली द्वारा की गई है। परिसंपत्तियां हटाने के पश्चात् उक्त मार्ग का चौड़ीकरण कार्य तेजी से प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ परिसंपत्ति का थ्री-डी हो गया है, इस सप्ताह अवार्ड भी हो जाएगा। फिर राशि भुगतान कर शेष परिसंपत्तियों को हटाने की कार्यवाही की जाएगी। आने वाले कुछ महीनों के भीतर यह मार्ग बनकर तैयार हो जाएगा। इस मार्ग के बनने से लोगों को आवागमन में भी आसानी होगी।

विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

कोरबा । कोरबा जिला अंतर्गत पाली-तानाखार विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम ने पाली ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। प्रभावितों से मुलाकात कर समस्या जानते हुए कहा कि उन्हें शासन के नियमानुसार अधिक से अधिक मुआवजा-क्षतिपूर्ति दिलाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।मरकाम ने कहा कि यह विभीषिका क्षेत्र के लिए काफी बड़ी है, इस आपदा से क्षेत्र में जान-माल का नुकसान हुआ है। क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों, सहित आमजनों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रकृति के आगे हम सब बेबस हैं, मेरी संवेदनायें प्रभावित लोगों के साथ हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रशासन तथा राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री से भेंट कर वस्तुस्थिति से अवगत कराकर इस क्षेत्र के प्रभावितों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए प्रयास और पहला किया जाएगा।जानकारी के अनुसार पाली ब्लॉक में 24 जुलाई को हुई मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ ने कहर बरपाया है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित मुनगाडीह गांव हुआ है जहाँ कईयों का रोजगार छिन गया और कई बेघर हो गए, खेत गाद और मिट्टी से पट गए हैं। धान, सब्जी आदि फ़सल बर्बाद हो गया है। मुनगाडीह पहुँचने पर ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि नुकसान के लिए डीबीएल और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया जिम्मेदार है, क्योंकि यहां फोरलेन सडक़ निर्माण के दौरान मनमानी, लापरवाही और खामियां बरती गई है जिसका खामियाजा पूरा मुनगाडीह गांव भुगत रहा है। आने-जाने का कोई रास्ता नहीं है, मुख्य सडक़ मार्ग से जुड़ा होने के बावजूद लोगों को मुख्य मार्ग पर आने के लिए, बच्चों को स्कूल आने जाने के लिए

श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ एटक ने किया प्रदर्शन

कोरबा । एल्युमिनियम एम्पलाइज यूनियन (एटक) के द्वारा बाल्को प्रबंधन की मजदूर विरोधी एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ दिनांक 31 जुलाई 2024 को आम सभा धरना प्रदर्शन किया गया।

एल्युमिनियम एम्पलाईज यूनियन (एटक) बालको नगर के महासचिव सुनील सिंह ने कहा है कि भारत अल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) को आज 60 वर्ष हो गए हैं। इस कंपनी में हजारों की संख्या में बालको कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक काम करते हैं बाल्कों में एल्युमिनियम उत्पादन के साथ-साथ विद्युत का भी उत्पादन किया जाता है कंपनी की उन्नति ,उत्पादन एवं आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है लेकिन इसमें काम करने वाले कर्मचारीयों का स्तर गिरते ही चले जा रहा है चाहे वह वेतन हो ,सामाजिक सुरक्षा हो, स्वस्थ हो, प्रबंधन का ध्यान इन सब बातों की तरफ ना जाकर सिर्फ अपना क्यारे के बारे में सोचते हैं अपने प्रमोशन के बारे में सोचते हैं बाकी यहां काम करने वाले कर्मचारियों के बारे में नहीं सोचते, कारखाने में कर्मचारियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और प्रबंधन विश्व से अवार्ड बटोरने में लगा हुआ रहता है बाल्को प्रबंधन की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ एवं निम्न मांगो को लेकर एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन/आम सभा कर प्रबंधन को सचेत किया गया है कि अगर प्रबंधन हमारी मांगों को नहीं पूरा करता तो हम आंदोलन का विस्तार करते हुए आगे *अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन क्रमिक भूख हड़ताल किया जाएगा,* आम सभा से पहले सहायक श्रम आयुक्त के पास प्रबंधन के साथ त्रिपक्षीय वार्ता हुई लगभग तीन घंटा बैठक चला लेकिन इस बैठक में किसी भी प्रकार की सहमति नहीं बनी जीसके कारण संगठन को आंदोलन में जाने के लिए विवश होना पड़ा। एटक के राष्ट्रीय सचिव कामरेड एम एल रजक जी ,एल्युमिनियम एम्पलाईज यूनियन (एटक) के अध्यक्ष एसके सिंह, महासचिव सुनील सिंह उपाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ,सचिव मनीष नाग, उपाध्यक्ष पी के वर्मा, संतोषी बरेठ, विजयलक्ष्मी चौहान, मन्नू लाल लठिया, आलेख मालिक, लाल मन सिंह एवं अन्य वक्ताओं ने कर्मचारियों को संबोधित किया। इस आम सभा में 300 से ज्यादा लोगों ने अपनी जागरूकता एवं एकता का परिचय देते हुए शामिल हुए।

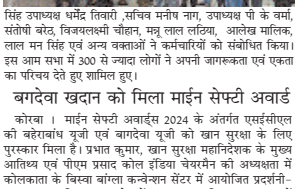

बगदेवा खदान को मिला माईन सेफ्टी अवार्ड

कोरबा । माईन सेफ्टी अवार्ड्स 2024 के अंतर्गत एसईसीएल की बहेराबांध यूजी एवं बागदेवा यूजी को खान सुरक्षा के लिए पुरस्कार मिला है। प्रभात कुमार, खान सुरक्षा महानिदेशक के मुख्य आतिथ्य एवं पीएम प्रसाद कोल इंडिया चेयरमैन की अध्यक्षता में कोलकाता के बिस्वा बांग्ला कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित प्रदर्शनी-सह-पुरस्कार वितरण समारोह में यह पुरस्कार दिए गए। पुरस्कारों में एसईसीएल की बहेराबांध यूजी को बड़ी भूमिगत कोल माइन श्रेणी में तथा बागदेवा यूजी को मीडियम भूमिगत कोल माइन श्रेणी में तृतीय पुरस्कार पुरस्कार दिया गया।

जांच से पहले अधिकारी का हो तबादला:सांसद

कोरबा। कोरबा-पश्चिम क्षेत्र एसईसीएल की कोरबा जिला स्थित कुसमुंडा खदान में हुए हादसे में असिस्टेंट मैनेजर माइनिंग जितेंद्र नागरकर की भारी बारिश के पानी और मलबा के साथ बह जाने के कारण मौत के लिए स्व. नागरकर को ही एसईसीएल प्रबंधन ने दोषी ठहराया है। एसईसीएल की कुसमुंडा परियोजना के महाप्रबंधक राजीव सिंह के द्वारा एक विभागीय पत्र 29 जुलाई को जारी किया गया जिसमें घटना के वक्त स्व. नागरकर को मोबाइल पर गेम खेलने के कारण हादसा हो जाने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। महाप्रबंधक ने सभी कर्मचारियों को कार्य के दौरान मोबाइल चलाते पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की बात कही है। कुसमुंडा महाप्रबंधक के इस निर्देश और हादसे के संबंध में दिए गए तर्क को लेकर कोरबा लोकसभा क्षेत्र सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि एक जिम्मेदार पद पर बैठे अधिकारी को इस तरह का गैर जिम्मेदाराना बयान शोभा नहीं देता। उन्हें तो इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए और घटनास्थल क्षेत्र में पानी भरने के साथ-साथ ओवरबर्डन का मलबा इतने पैमाने पर क्यों जाम रहा, समय पर ह्यूम पाईप्स की सफाई में किसकी लापरवाही हुई ? आदि बिन्दुओं पर गहन जांच-पड़ताल कराने के बजाय लीपापोती की गई है। कुसमुंडा महाप्रबंधक के अधीन कार्यरत एक अधिकारी की मौत हुई है और वे उसके द्वारा उस वक्त मोबाइल पर गेम खेलने की बात कह रहे हैं जब उस अधिकारी के साथ-साथ वहां मौजूद अन्य अधिकारियों की जान आफत में थी। मानवीय दृष्टिकोण से भी सोचा जाये तो इस तरह का तर्क महाप्रबंधक को जिस किसी ने भी सुझाया है, वह भी जांच के दायरे में लाया जाना चाहिए।सांसद श्रीमती महंत ने आगे कहा है कि कुसमुंडा महाप्रबंधक और उनका प्रबंधन कहीं न कहीं हादसे के लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार लोगों को बचाने का काम कर रहे हैं। यह अपने आप में चौंकाने वाला है कि खदान की हर छोटी-बड़ी दुर्घटना की जांच डीजीएमएस की टीम करती है, फिर इस तरह से आनन-फानन में किस जांच का हवाला दे कर महाप्रबंधक युवा अधिकारी को उसकी अपनी मौत का जिम्मेदार बता रहे हैं

मिनीमाता महाविद्यालय जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष बनी आरती अग्रवाल

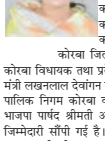

कोरबा । नगर पालिक निगम कोरबा वार्ड क्रमांक-2 साकेत नगर की पार्षद, भाजपा नेत्री एवं समाज सेविका श्रीमती आरती विकास अग्रवाल को शासकीय कन्या मिनीमाता महाविद्यालय कोरबा की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष बनायी गई हैं।

कोरबा जिला प्रभारी मंत्री अरूण साव एवं कोरबा विधायक तथा प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर कलेक्टर ने नगर पालिक निगम कोरबा वार्ड क्रमांक-2 साकेत नगर की भाजपा पार्षद श्रीमती आरती विकास अग्रवाल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार श्रीमती अग्रवाल का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने के दिनांक से दो साल के लिए प्रभावी होगा। श्रीमती अग्रवाल को यह जिम्मेदारी मिलने से क्षेत्र के भाजपाईयों एवं शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है।शासकीय कन्या मिनीमाता महाविद्यालय कोरबा की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष बनाए जाने के बाद श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शासकीय कन्या मिनीमाता विद्यालय की अहम भूमिका है।

कलेक्टर के निर्देश से व्याख्याता एवं शिक्षक हो रहे हैं परेशान

पढ़ाई कार्यों मे समय नहीं दे पाने से शिक्षा की गुणवत्ता में आ रही है गिरावट

विनोबा ऐप बना शिक्षकों के लिए जी का जंजाल

सीताराम नायक

जांजगीर चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा बच्चों का परीक्षा साप्ताहिक एवं मासिक लिए जाने के लिए निर्देश से इन दोनों जिले के हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य,व्याख्याता एवं शिक्षक खासे नाराज व परेशान हैं जो परीक्षा कार्यों मे लगने के कारण बच्चों को पढ़ाई के लिए अधिक समय नहीं दे पा रहे हैं जिसके कारण जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आने लगी है।

इस संबंध में अवगत हो कि कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा यह निर्देश जारी किया गया है कि जिले के सभी हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल में साप्ताहिक एवं मासिक परीक्षा लेकर प्राप्त अंकों को विनोबा ऐप के माध्यम से जिला शिक्षा अधिकारी को भेजा जाय, ताकि हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की गतिविधियों का पता चल सके । शायद कलेक्टर आकाश छिकारा की सोच शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है परंतु उन्हें शायद नहीं मालूम कि जिले में संचालित शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में अधिकतर स्थानों पर शिक्षकों की कमी विद्यमान है। कहीं दो-तीन तो कहीं एक,दो शिक्षकों के ऊपर पूरे विद्यालय का भार होने के कारण शिक्षकों को अध्यापन कार्य पूरा कराना ही मुश्किल हो जाता है । ऐसे में प्रत्येक शनिवार को साप्ताहिक परीक्षा लेकर उसे दो दिन मे विनोबा ऐप में अपलोड करना मुश्किल भरा कार्य है । इतना ही नहीं बल्कि प्रत्येक माह के अंत में इन शिक्षकों को मासिक परीक्षा लेने के लिए भी निर्देश जारी किया गया है जिसके परीक्षा परिणाम को जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा कार्यालय में उसी दिन विनोबा ऐप के माध्यम से भेजने को कहा गया है जिसके कारण प्राचार्य एवं शिक्षकों का अधिकतर समय इसी कार्य में निकल जाता है। जो बच्चों की पढ़ाई के लिए तथा विषय को पूरा पढ़ाने के लिए समय नहीं दे पाते हैं,जो उनका मूल कार्य है, उसे वे पूरा नहीं कर पा रहे हैं। नतीजा यह है कि शिक्षा की गुणवत्ता चाहने वाले कलेक्टर के इस निर्देश से शिक्षा में सुधार के बजाय गिरावट आने लगी है । उधर उक्त निर्देशों का पालन शिक्षकों एवं प्राचार्यों द्वारा किया जा रहा है परंतु तकनीकी खराबी के कारण विनोबा ऐप में जानकारी समय पर नहीं पहुंचने पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा है। इतना ही नहीं बल्कि जानकारी भेजने में जरा भी देर हो जाती है तो जिला शिक्षा अधिकारी अधिकारी द्वारा उक्त प्राचार्यों एवं शिक्षकों को तत्काल कार्यालय पहुंचने के लिए निर्देश दिया जाता हैं, जबकि वे स्वयं कार्यालय से नदारत हो जाते हैं ऐसे में दूर दराज से आने वाले प्राचार्यों एवं व्याख्याताओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां पर यह बताना आवश्यक है कि जांजगीर चांपा जिले में संचालित लगभग हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है जहां शिक्षक किसी तरह बच्चों के पूरे विषय को पढ़ाकर साल की परीक्षा के लिए तैयार करते हैं जो दिन-रात मेहनत कर अच्छी गुणवत्ता लाने का प्रयास करते हैं। अब उक्त व्याख्याता एवं शिक्षकों को साप्ताहिक एवं मासिक परीक्षा के कार्यों में लगा दिए जाने से उनके सामने दोहरा संकट छा गया है । जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा उन्हें बार बार परेशान किया जा रहा है । ऐसे में शिक्षक अपने मूल कार्य जो बच्चों को पढ़ाने का है वह ठीक तरीके से नहीं कर पा रहे हैं । जिनका काम अब केवल साप्ताहिक एवं मासिक परीक्षा लेना एवं जानकारी मुख्यालय को भेजना हो गया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि जिला कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा जिस विनोबा ऐप के माध्यम से साप्ताहिक एवं मासिक परीक्षा का रिजल्ट अपलोड कराया जा रहा है तथा शिक्षकों की उपस्थिति के संदर्भ में जानकारी लिया जा रहा है वह ऐप केवल जांजगीर चांपा जिले में ही संचालित है प्रदेश के किसी अन्य जिले में इस ऐप को नहीं अपनाया गया है ऐसे में विनोबा ऐप को इतना महत्व देना समझ से परे है। बताया जाता है कि विनोबा ऐप कलेक्टर आकाश छिकारा के किसी गरीबी व्यक्ति का है जिन्हें उपकृत करने के लिए कलेक्टर द्वारा इस जिले में शिक्षा विभाग में लागू किया गया है।

राज्य मुख्य आयुक्त की उपस्थिति में जिला संघ सक्ती में समीक्षा बैठक संपन्न

सक्ती । राज्य मुख्य आयुक्त डॉक्टर सोमनाथ यादव के उपस्थिति में जिला संघ सक्ती में जिला शिक्षा अधिकारी एन के चंद्रा के अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गईद्य बैठक में जिला पदेन कमिश्नर गाइड श्रीमती पी बी गबेल, सर्व विकासखंड के विकासखंड अधिकारी श्याम लाल वारे डभरा, के पी राठौर सक्ती, विजय सिंह सिदार जैजैपुर, एम एल प्रधान मालखरौदा सहित जिला सचिव श्रीमती के डी गवेल, जिला सह सचिव खगेश भारद्वाज, जिला संगठन आयुक्त गाइड श्रीमती रंजिता राज एवं समस्त जिला पदाधिकारी व 77 यूनिट लीडर्स सम्मिलित हुए। समीक्षा बैठक के अंतर्गत विगत सत्र हुए जिले में स्काउटिंग से संबंधित कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया एवं आगामी सत्र में होने वाले वार्षिक कार्य योजना राज्य मुख्य आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया गया तथा मुख्य अतिथि के द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने कहा गया एवं जिला परिषद व विकासखंड परिषद के लिए प्रस्ताव पारित किए गए तथा प्राथमिक शाला से उच्चतर माध्यमिक शाला तक प्रत्येक शनिवार को स्काउटिंग को सुचारू रूप से हर शाला में संचालित करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए एवं स्काउट निधि का व्यय स्काउटिंग में ही व्यय करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वर्ष 2023-24

जांजगीर-चांपा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कालेज स्तर) का पंजीयन, स्वीकृति एवं भुगतान विभागीय पोर्टल https://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ के माध्यम से किया जा रहा है। वर्ष 2023-24 में ऐसे विद्यार्थी जो संस्था परिवर्तन, पाठ्यक्रम परिवर्तन, संस्था एवं पाठ्यक्रम दोनों परिवर्तन तथा पाठ्यक्रम का वर्ष परिवर्तन हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किए थे। उन आवेदनों को शासन द्वारा अनुमोदन प्रदाय कर दिया गया है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने सर्व संबंधित विद्यार्थियों को सूचित किया है कि वे 03 दिवस के भीतर अपना छात्रवृत्ति आवेदन पूर्ण कर अध्ययनरत् संस्था में जमा कराते हुए छात्रवृत्ति स्वीकृत कराना सुनिश्चित करें। विद्यार्थी द्वारा निर्धारित समयावधि में आवेदन नहीं करने पर समस्त जिम्मेदारी संबंधित छात्र की होगी। छात्रवृत्ति पोर्टल में किसी प्रकार की दिक्कत होने पर संबंधित विद्यार्थी कार्यालय, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास जांजगीर, पुराना कलेक्टर परिसर विवेकानंद मार्ग, जांजगीर (छात्रवृत्ति शाखा) अथवा पोर्टल में दर्ज मोबाइल नंबर पर कार्यालयीन समय अवधि में संपर्क कर सकते है।

कलेक्टर के निर्देश पर हसदेव विहार हाउसिंग बोर्ड कालोनी में हुई साफ-सफाई

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा ने हसदेव विहार हाउसिंग बोर्ड कालोनी की साफ-सफाई, पानी की व्यवस्था सहित मूलभूत सुविधाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। गुरुवार को नगर पालिका के कर्मचारियों ने हसदेव विहार हाउसिंग बोर्ड कालोनी पहुंचकर साफ-सफाई की और गंदगी को हटाया। इसके साथ ही अवश्यक पड़ने पर जगह-जगह पर नालियों का गहरीकरण भी किया गया और गलियों में भरे हुए पानी की निकासी के इंतजाम भी किए गए। हसदेव विहार हाउसिंग बोर्ड कालोनी में समस्याओं को लेकर बुधवार को कालोनीवासियों ने साफ-सफाई सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को मुहैया कराने को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था। कलेक्टर आकाश छिकारा ने नागरिकों की इन समस्या को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों को कालोनी में सीवरेज, साफ-सफाई, पानी सप्लाई, सड़क की समस्याओं को दूर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने हसदेव विहार हाउसिंग बोर्ड कालोनी में कर्मचारियों को भेजकर गली, सड़क, नाली, जल भराव आदि की साफ-सफाई की और कीटनाशक दवा का छिड़काव भी कराया गया। इसके साथ ही कलेक्टर आकाश छिकारा ने हसदेव विहार हाउसिंग बोर्ड कालोनी की समस्याओं को लेकर हाउसिंग बोर्ड एवं नगर पालिका के अधिकारियों के साथ कालोनीवासियों की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए।

लायंस स्कूल की नवगठित छात्र परिषद ने ली शपथ

चांपा। स्थानीय लायंस इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल में दिनांक 31 जुलाई दिन बुधवार को दोपहर 03.00 बजे से नवगठित छात्र परिषद की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह लायंस क्लब शिक्षण समिति के चेयरमेन लायन गिरधारी लाल अग्रवाल के मुख्य अतिथ्य में आयोजित किया गया। समारोह में सर्वप्रथम अतिथियों ने माँ सरस्वती के तैलचित्र पर मार्त्यापण किया। तत्पश्चात् अतिथियों का पुष्पहार एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती अजिता वी. के. ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात् क्रीड़ा शिक्षक ओ. पी. पाण्डेय ने नवगठित लायंस स्कूल के छात्र परिषद पदाधिकारियों की घोषणा की। लायंस शिक्षण समिति के सचिव लायन डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने अपने उद्बोधन में शपथ ग्रहण की महत्ता पर प्रकाश डाला। लायंस क्लब शिक्षण समिति के वाईस चेयरमेन लायन डॉ. के. पी. राठौर ने नवगठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि वे विद्यालय हित में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें। समारोह के मुख्य अतिथि लायन गिरधारी लाल अग्रवाल ने छात्र परिषद के पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि विद्यालय एक मंदिर है और उसे मंदिर के समान ही विद्यार्थी आदर देकर अनुशासन में रहते हुए शाला के विकास में योगदान देवें। सत्र 2024-25 के लिए समीर गुप्ता हेड ब्याय एवं लक्ष्मीरानी पटेल हेड गर्ल तथा संस्कार जसवानी डिप्टी हेड ब्वाय एवं माही जसवानी डिप्टी हेड गर्ल मनोनित किये गये है। इसके अलावा अनेक क्लब एवं चार हाउस का भी गठन किया गया।

समारोह का संचालन शिक्षिका श्रीमती एम. वारियर एवं कृतिका देवांगन ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन वरिष्ठ शिक्षक वीरेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। समारोह में प्रमुख रूप से लायन गिरधारी लाल अग्रवाल, लायन डॉ. योगेन्द्र शर्मा, लायन डॉ. के. पी. राठौर, लायन बजरंग अग्रवाल, लायन संतोष कुमार सोनी, के अलावा शाला के शिक्षक-शिक्षिकाएँ तथा विद्यार्थीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

किसान मजबूत होगें तभी प्रदेश मजबूत होगा - राजकुमार साहू

सभापति ने किया किसानों को बेटरी चलित स्प्रेयर पम्प का वितरण

जांजगीर-चाम्पा। नवागढ़ विकासखण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेमरा में जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू द्वारा 15 वें वित्त योजना अंतर्गत क्षेत्र के किसानों को बेटरी व हाथ चलित स्प्रेयर पम्प का वितरण किया गया। इस दौरान उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए सभापति राजकुमार साहू ने कहा कि किसानों को बेटरी चलित स्प्रेयर पम्प मिलने से उन्हें फसलों में दवा छिड़काव करने में बहुत आसानी होगी और यह पम्प बेटरी से संचालित होता है, जिसके वजह से किसान भाईयों को मेहनत भी नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के भाजपा सरकार ने किसानों को विशेष रूप से खेती किसानी करने लिये योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के किसान मजबूत हो सके, जब किसान मजबूत होगें तभी गांव, जिला व प्रदेश का मजबूत होगा। सभापति द्वारा किसान, द्वारिका प्रसाद, गुलाब सिंह, शिवगोपाल, मुरारी तिवारी, केदार साहू, नंदकुमार साहू, अश्वनी साहू, धनीराम साहू, बरत कश्यप, प्रभात सिंह, जसराज सिंह, पन्ना कश्यप, अमित सिंह, लकपत, घनश्याम, रामचरण, महेन्द्र यादव, जीवराखन, लल्लू सिंह, हरि यादव, रघुपाल सिंह, दिनेश सिंह, लोमेश चौबे सहित अनेकों किसानों को स्प्रेयर पम्प का वितरण किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच गायत्री साहू, सचिव डॉ. योगेश साहू, इतवारी साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी व किसानगण मौजूद रहे।

किया आपत्तिजनक टिप्पणी, नगरवासियों ने जमकर ली खबर

बलौदा। नगर में हिन्दू देवी देवताओं, बूढ़ा देव और ब्राह्मण समाज के विरूद्ध आपित्तजनक टिप्पणी करने पर नगरवासियों ने एक व्यक्ति की पिटाई कर दी और उसे थाने तक ले गए। नगरवासियों ने उसके विरूद्ध थाने में आवेदन भी दिया मगर वहां उसने नगरवासियों से माफी मांगी और भविष्य में ऐसा नहीं करने की बात कही तब लोगों ने उसे छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत बलौदा के वार्ड क्रमांक 10 निवासी रवि केडिया आए दिन हिन्दू देवी देवताओं पर आपित्तजनक टिप्पणी करता था। 1 अगस्त को भी उसने देवी देवता, बूढ़ा देव, भगवान राम और बाह्मण समाज के विरूद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी की। आक्रोशित नगरवासियों ने इसे हरदी बाजार रोड से पकड़ा और उसकी जमकर पिटाई की। भीड़ उसे लेकर थाने पहुंची और उसके विरूद्ध थाने में लिखित शिकायत दी गई मगर रवि केडिया ने अपनी गलती मान ली और क्षमा याचना करते हुए भविष्य में इस तरह की गलती नहीं करने की बात कही।

आजीविका ऋण लेकर करे व्यवसाय शुरू बने आर्थिक रूप से सशक्त - कलेक्टर

बलौदा विकासखंड के ग्राम पंचायत जावलपुर में आजीविका ऋण मेला का हुआ आयोजन

मेले में लगभग 08 करोड़ 11 लाख रुपए से अधिक की ऋण राशि स्वीकृत

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा ने गुरुवार को जनपद स्तरीय दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय बलौदा के ग्राम पंचायत जावलपुर में लगाये गये आजीविका ऋण मेला में शामिल हुए। इस दौरान आजीविका ऋण मेला को संबोधित करते हुए कलेक्टर आकाश छिकारा ने कहा कि गांव की आवश्यकता के अनुसार स्व सहायता समूह की महिलाएं आजीविका ऋण लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं और धीरे-धीरे उसमें मेहनत करते हुए वित्तीय रूप से सशक्त एवं मजबूत बन सकते हैं। व्यवसाय करने से केवल घर परिवार ही नही बल्कि समाज में भी एक नई दशा और दिशा देती है इसलिए जरूरी है कि महिलाएं व्यवसाय के क्षेत्र में आगे आए। उन्होंने कहा कि व्यवसाय से रोजगार सृजन होता है और दूसरों को भी रोजगार प्रदान करता है उन्होंने कहा कि व्यवसाय से आजीविका गतिविधि शुरु करें और दूसरों को भी रोजगार दे। इस दौरान उन्होंने स्वस्थ जांजगीर-चांपा, उत्कृष्ट जांजगीर-चांपा, महतारी वंदन योजना, आयुष्मान कार्ड योजना, पीएम विश्वकर्मा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी उपस्थित नागरिकों को दी। जिला स्तरीय आजीविका ऋण मेला में लगभग 08 करोड़ 11 लाख रूपए से अधिक की ऋण राशि स्वीकृत की गई।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने आजीविका ऋण मेला में हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति आदेश की प्रति का वितरण किया। आजीविका ऋण मेला के माध्यम से स्व सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज में बढ़ोतरी, बैंक द्वारा प्रायोरिटी सेक्टर में ऋण वितरण क्षेत्र का विस्तार, शासकीय स्व-रोजगार ऋण योजनाओं के प्रति जागरूकता, मुद्रा योजना के क्षेत्र का विस्तार, स्वयं सिद्धा योजना के प्रति जागरूकता एवं विस्तार, नवीन बैंक खाते और आधार पंजीयन करने की सुविधा, ग्रामीणों की वित्तीय साक्षरता एवं सायबर फ्रॉड के रोकथाम के प्रति जागरूकता और अन्य बैंकिंग से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल कुमार रावटे ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आजीविका ऋण के माध्यम से रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़कर सशक्त और मजबूत बन सकते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य इंजी. प्रदीप पाटले, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता राठौर, सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद अधिकारी, एसडीएम विक्रांत अंचल, जनपद सीईओ आकाश सिंह, कन्हैया राठौर एवं अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिक, स्व सहायता समूह की महिलाएं, ग्रामीणजन उपस्थित थे।

इस दौरान श्रीमती फुलेश्वरी कुर्रे, श्रीमती गीतेश्वरी, श्रीमती चित्रा माथूर, श्रीमती दुर्गा साव आदि ने बिहान समूह से जुड़कर की जा रही आजीविका गतिविधियों से हो रहे लाभ की जानकारी मेरी कहानी मेरी जुबानी के माध्यम से कार्यक्रम में दी। उन्होंने कहा कि जब से समूह के माध्यम से कार्य कर रहे हैं तब से आत्मविश्वास बढ़ा है और क्षेत्र में के रूप में सफल उद्यमी के रूप में स्थापित हुए हैं और दूसरे महिलाओं को भी प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं उन्होंने कहा कि घर से निकलकर आज मंच पर खड़े होने का मौका बिहान की महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से ही संभव हो सका है।

स्कूली छात्राओं को बांटी गई साइकिल

अकलतरा। नगर पंचायत नरियरा में स्थित शासकीय कन्या हाई स्कूल में सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत 9वीं में अध्ययनरत छात्राओं को जनपद पंचायत अध्यक्ष शिवानी सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुशांत सिंह, शाला विकास समिति की अध्यक्ष कांति साहू ने साइकिल का वितरण किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष शिवानी सिंह ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना में 9वीं में अध्ययनरत छात्राओं को प्रतिवर्ष साइकिल का वितरण किया जाता है। साइकिल मिलने से छात्राएं आसानी से आवागमन कर सकेंगे।

न्यायालय तहसीलदार (नजूल) कोरबा जिला कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202407051100002
अ-20(1)/2023-24
ग्राम- रिसदा, प.ह.नं.-14

एतद् द्वारा सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि ग्राम कोरबा, प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. कोरबा, तहसील व जिला कोरबा में स्थित शासकीय भूमि खसरा नं. 74/1 में से 0.09 एकड़/0.036 हेक्टेयर भूमि आयुक्त, नगर पालिक निगम कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.) के नाम से व्यावसायिक प्रयोजन हेतु भूमि आबंटित किया जाना प्रस्तावित है।

इस संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 14.08.2024 तक दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा के साथ जारी किया गया।

(सील)

तहसीलदार नजूल
जिला कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, रायपुर परिक्षेत्र रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से प्रपत्र ''ए'' में प्रतिशत दर पर कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	निविदा आमंत्रण क्र./दिनांक	सिस्टम नं.	निविदा आमंत्रण	जिला	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	ठेकेदारों की श्रेणी
2.	27/31-07.2024	156500	चतुर्थ	कोरबा	छुरीकला आवर्धन जल प्रदाय योजना अंतर्गत जल वितरण प्रणाली कार्य हेतु	905.89	बी एवं उच्च

Important Events and time Schedule-Date of calling NIT-31.07-2024, Bid Start Date- 05-08-2024, Pre Bid meeting date-08.08.2024, Bid Due Date-20.08.2024, PHY Doc. Submission last Date-23.08.2024- , PQ Document Download Date-23.08.2024

नोट :-उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तों, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में उक्त निविदा दिनांक 02.08.2024 से देखी जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता (प्रकोष्ठ प्रभारी)
राज्य स्तरीय निविदा प्रकोष्ठ
जी-242501526/8 कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.स्वा.यां. विभाग, परिक्षेत्र रायपुर (छ.ग.)

बच्ची होने पर उपहार देने की पंरपरा निभा रही नेहा

जांजगीर - चांपा। बीडीएम हास्पिटल में जब भी किसी की बेटी की जन्म होती है तो चांपा की नेहा अग्रवाल बच्ची और उसके परिवार को उपहार के रूप में एक बास्केट में कपड़े, मिठाइयां और पौधे भेंट करती हैं। वह यह कार्य पिछले ढाई साल से अधिक समय से कर रही हैं। अब तक नेहा सौ से अधिक बेटियों और उनके परिवारों को उपहार और पौधे दे चुकी हैं।

चांपा की रहने वाली नेहा अग्रवाल सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। जब उन्हें चांपा के बीडीएम हास्पिटल में जब भी किसी की बेटी होने की जानकारी मिलती है तो वह अस्पताल पहुंचती है और बच्ची व उसके परिवार को उपहार के रूप में एक बास्केट में कपड़े, मिठाइयां और पौधे भेंट करती हैं। उन्हें यह कार्य करते हुए ढाई साल से अधिक समय हो चुका है। अब तक नेहा सौ से अधिक बेटियों और उनके परिवारों को उपहार और पौधे दे चुकी है।वह गरीब और असहाय लोगों की लगातार सहायता करती हैं और पर्यावरण को लेकर लोगों को जागरूक करती हैं। साथ ही, बेटी बचाओ, बेटी पढाओ अभियान के तहत समाज में बेटियों को उचित पहचान दिलाने के लिए भी कार्य करती हैं।

वृक्षारोपण का महाअभियान महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के साथ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महतारी वंदन योजना की छठवीं किस्त जारी की और एक पेड़ मां के नाम महावृक्षारोपण का अभियान की शुरूआत की। जिसके तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ग्राम खोखरा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महतारी वंदन योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को एक पेड़ मां के नाम के अभियान के तहत पौधे का वितरण किया गया।

विधायक ब्यास कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एक पेड़ मां के नाम लगाकर हमें उसे बड़ा करना हमारी जिम्मेदारी है। पेड़ लगाने से पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता और हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि एक पेड़ मा के नाम पौधा लगाकर इस अभियान में अपनी सहभागिता निभाएं। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबके प्रयास से प्रत्येक घर में एक पेड़ मां के नाम से लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित बनाना है। इस दौरान उन्होंने स्वस्थ जांजगीर-चांपा, उत्कृष्ट जांजगीर-चांपा, महतारी वंदन योजना, आयुष्मान कार्ड योजना, पीएम विश्वकर्मा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी उपस्थित नागरिकों को दी।

इस अवसर पर विधायक ब्यास कश्यप, जिला पंचायत सदस्य, गगन जयपुरिया, लखन साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति देवी सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह, वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रियंका पांडे, सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गोकुल कुमार रावटे, जनपद पंचायत सीईओ अनिल कुमार सहित जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, स्वसहायता समूह की महिलाएं एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

मां मनका दाई के विधायक-कलेक्टर ने किये दर्शन -

जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत खोखरा में स्थित प्रसिद्ध मां मनकादाई मंदिर में पहुंचकर विधायक ब्यास कश्यप, कलेक्टर आकाश छिकारा, वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रियंका पांडे, सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गोकुल कुमार रावटे ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया और जिले की खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही मंदिर परिसर में अतिथियों ने एक पेड़ मां के नाम से पौधरोपण भी किया।

अनमोल वचन......

मेहनत का फल और समस्या का हल देर से ही सही लेकिन मिलता जरूर है!

प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता में इज़ाफा

केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद हुए भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या 165 तक पहुंच चुकी है। 220 लापता हैं तथा 131 घायल हुए हैं। मुंडक्कई, अय्यामाला, चूरलमाला और नूलपुझा गांव में देर रात को हुई इस दुर्घटना के बाद बचाव कार्य जारी है। हजारों लोगों को बमुश्किल निकाला जा सका तथा उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम जारी है। इस बीच, मौसम विभाग भारी बरसात की चेतावनी अब भी दे रहा है। मल्लपुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में चेतावनी के साथ ही एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर में भी भारी बरसात होने की संभावनाएं व्यक्त की गई हैं। वायनाड का मुख्य पुल बह जाने से सैकड़ों फंसे लोगों का बचाव मुश्किल हो गया है। ढेरों घर बह गए हैं। करीब के चाय बागान के 35 कर्मचारियों का भी पता नहीं चल पाया है। हालांकि अब तक यह पता नहीं चल सका है कि चाय बागानों में कितने मजदूर काम कर रहे थे। पांच साल पहले भी इन्हीं गांवों में भूस्खलन हुआ था, जिसमें 50 से ज्यादा घर बह गए थे। लापता लोगों में से पांच का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। इसलिए परिवार बेहाल हैं। वे अपनों को ढूंढने और अपने तबाह हो गए घर को देखने की गुहार लगा रहे हैं। मोबाइल टावरों के क्षतिग्रस्त होने से फोन सेवाएं भी बाधित हैं। आपदा प्रबंधन दल के लिए उन इलाकों तक पहुंचने में खासी दिक्कतें आ रही हैं। वे केबल के सहारे हैं तथा हैलीकॉप्टर से घायलों को लाने-ले जाने का काम कर रहे हैं। वायनाड पठारी इलाका है जिसकी 51त्न भूमि पहाड़ी ढलान वाली है। सरकारी दस्तावेज के अनुसार केरल का 43त्न इलाका भूस्खलन प्रभावित इलाका है। मानसून के दौरान यहां हमेशा जबरदस्त बरसात होती है। नदियों में बरसाती पानी के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है। प्राकृतिक आपदाओं के चलते प्रति वर्ष देश में हजारों लोग मारे जाते हैं, और हजारों लोग बेघर हो जाते हैं। देखने में आया है कि हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता में इजाफा हुआ है। बेशक, सरकार मदद करती है, मुआवजा भी देती है। मगर इससे पीड़ितों को न तो खास राहत नहीं मिलती है, न ही सबको मिल सकती है। सरकारी महकमे की धांधली से बचाव असंभव है। सेना के तीनों अंग और एनडीआरएफ ऐसे वक्त में आपदाग्रस्त देशवासियों के खासे मददगार साबित होते हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओं को घर के कार्यो से राहत मिलेगी। आज आपका आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा। शाम का समय भाई बहनों के साथ हँसी-मज़ाक में बितेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। आपके काम पर अंतिम परिणाम निर्भर करेगा। परिवार में चल रही समस्या को तुरंत सुलझाने की कोशिश करेंगे। समय का सही इस्तेमाल करके काम पूरा करें। आज सभी जरुरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता ने व्यापार में जो जिम्मेदारिया दी हुई हैं उसे आप आसानी से निभा लेंगें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगें और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा। बिजनेस में कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम स्टार्ट करने की सोच सकते है, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें।पारीवारिक मामले में आज आपका निर्णय कारगर साबित होगा। आज आपका मन आध्यात्म में अधिक लग सकता है।

कर्क राशिः आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें की दूसरों से तभी दोस्ती करें और अपनी बाते शेयर करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता अपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। लोग आपकी प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। नवविवाहितों को आज घूमने जाने का मौका मिलेगा।

सिंह राशिः आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलताएं छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी, इससे आपका सकारात्मक विचार बनेगा। ऑफिस के कार्यो को करते समय फोकस बनायें रखें। आपको जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे अपनी समझदारी से बखुबी निभायेंगें।

कन्या राशिः आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आया है। आज बच्चों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें गौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेगी। युवाओ को बढ़िया नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशिः आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। करीयर को बढ़ाने मे किये गये प्रयासों के चलते लाभ होगा 7 आज अपने प्रिय व्यक्ति की निकटता से आपको खुशी होगी। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप समाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे। आज आप उन लोगों से दूरि बनाएंगे, जो आपके सीधेपन का लाभ उठाते हैं। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा सुखद रहेगी।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज आपको काम को आसान तरीके से करने का रास्ता मिल सकता है। नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। परिवार की जिम्मेदारी सही तरीके से निभाएंगे, जिससे आपके मन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

मकर राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुए धन लाभ से आपका बैंक बैलेंस मजबूत बनेगा। दांपत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज गलत विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे। आज क्रोध को नियंत्रित करने की कोशिश करें। आज आपको नए अवसर मिलेंगे। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल होगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका कोई रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीको पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज अपनी इच्छा शक्ति के बल पर योजनाओं पर काम कर पाएंगे। अहंकार से बचना होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीदारी करने मार्केट जा सकते हैं। प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे। आज शाम को किसी मित्र की बर्थडे पार्टी में जायेंगे जहाँ आपके अन्य दोस्त भी होंगे।

छत्तीसगढ़ में महतारी का बढ़ा मान साय सरकार का अभिनव काम

//नसीम अहमद खान//

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार माताओं-बहनों को सामाजिक, आर्थिक रूप से सशक्त करने के साथ ही उनके मान-सम्मान को बढ़ावा देने का काम पूरी ईमानदारी से कर रही है, जिसके चलते महिलाओं में एक नया आत्म विश्वास जगा है। महिलाओं को आर्थिक मदद देने के लिए संचालित महतारी वंदन योजना के चलते राज्य की 70 लाख महिलाओं को अब अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी तरह की दिक्कत नहीं रही है। इस योजना के तहत महिलाओं के बैंक खाते में राज्य सरकार की ओर से हर महीने एक हजार रूपए की राशि पहुंच रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने महतारी के अनमोल योगदान के प्रतीक के रूप में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभिनव पौधरोपण अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान का उद्देश्य छत्तीसगढ़ राज्य को और अधिक हरा-भरा बनाने, पर्यावरण का संरक्षण और महतारी का सम्मान है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में 5 फरवरी 2024 को छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की माताओं और बहनों से किए अपने संकल्प को पूरा करते हुए महतारी वंदन योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के तहत राज्य की 70 लाख महिलाओं को एक हजार रूपए की मदद दी जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महतारी वंदन योजना की छठवीं किश्त की राशि एक अगस्त को अंतरित करेंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण अभियान के तहत राज्य में हर व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत देश में सितम्बर 2024 तक 80 करोड़ एवं मार्च 2025 तक 140 करोड़ वृक्षों के रोपण का लक्ष्य है। 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में 2 करोड़ 75 लाख पौधों का रोपण किया किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत 4 जुलाई को की थी। उन्होंने रायपुर स्थित अपने निवास पर दहीमन का पौधा लगाया और नागरिकों से अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने का आग्रह किया था। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लोग अपनी मां के सम्मान में पेड़ लगाने के अलावा अपनी आस्था के अनुसार देवी-देवताओं के नाम पर भी पौधे लगा रहे है।

सभी जिलों में ग्राम एवं पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण इलाकों में फलदार पौधे, लघु वनोपज एवं औषधीय प्रजाति के पौधों का रोपण हो रहा है। शहरी क्षेत्रों में छायादार प्रजातियां का रोपण किया जा रहा है। स्कूलों, छात्रावासों, आंगनबाड़ी केन्द्र, पुलिस चौकी, अस्पताल, शासकीय परिसर, शासकीय एवं अशासकीय भूमि, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों की रिक्त भूमि में भी इस अभियान के अंतर्गत पौधे रोपित किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में पेड़ लगाने का यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह मातृत्व का सम्मान करने का एक अनूठा तरीका भी है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आक्सीजन की मात्रा बढ़ाने, धरती का तापमान कम करने, भूजल स्तर को ऊपर लाने और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्राकृतिक का सतुंलन बिगड़ा

//ललित गर्ग//

संयुक्त राष्ट्र द्वारा हाल में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की आबादी 2060 के दशक में 1 अरब 70 करोड़ तक पहुंच जाने का अनुमान है, जैसे-जैसे आबादी बढ़ती जा रही है, पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं भी गंभीर चुनौती बनती जा रही हैं। हमें संसाधनों के विस्तार एवं विकास की योजनाओं के बीच पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। हर विकास के अपने सकारात्मक और नकारात्मक नतीजे होते हैं। विकास योजनाओं में पर्यावरण का ख्याल रखना जरूरी है। अगर पर्यावरण की परवाह किए बिना विकास किया गया तो मनुष्य के लिए विनाश एवं विध्वंस का कारण बनेगी।

वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के साथ-साथ तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए विकास की नई गाथा लिख रहा है, लेकिन इसी के साथ पर्यावरण की उपेक्षा के कारण अनेक पर्यावरण समस्याएं विनाश एवं विध्वंस का कारण भी बन रही हैं। शहरी विकास की प्रक्रिया ने गांवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास से महानगरों में असुरक्षित परिवेश, बढ़ता प्रदूषण, जल एवं शुद्ध हवा का अभाव ऐसी समस्याएं हैं, जो जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए चुनौती बन रही है। उन्नत विकास के लिए सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, जल चाहिए, मकान चाहिए, मैट्रो चाहिए और ब्रिज चाहिए। इन सबके लिए या तो खेत होम हो रहे हैं, या फिर जंगल। जंगल को हजम करने की चाल में पेड़, जंगली जानवर, पारंपरिक जल स्रेत सभी कुछ नष्ट हो रहा है। यह वह नुकसान है जिसका हर्जाना संभव नहीं है और यही पर्यावरण प्रदूषण का बड़ा कारण है। विकास की ऊंचाइयां छूने के साथ हमें पर्यावरण संरक्षण की सीढ़ियां लगानी होंगी। अनुमान है कि 2050 के हिसाब से भारत में 70 प्रतिशत इमारतों का निर्माण होना बाकी है, ऐसे में निर्माण उद्योग को पर्यावरण अनुकूल आर्थिक पद्धति से जोड़ना भारत के आवासीय और शहरीकरण रोडमैप के लिए नितांत अपेक्षित है। इसी तरह हर उद्योग के लिए पर्यावरण अनुकूल पद्धति को अपने कारोबार और रणनीति में जोड़ना जरूरी है। भारत जैसे विकासशील देशों में बुनियादी ढांचे के विकास की बहुत गुंजाइश और जरूरत है। अगर यह बुनियादी विकास व्यापक दायरे में और पर्यावरण के महत्व को ध्यान में रखते हुए किया जाए तो हम देश में सतत एवं संतुलित विकास की उम्मीद कर सकते हैं। भारत में कई सड़क परियोजनाएं संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग कर रही हैं। इसका एक प्रमुख उदाहरण सड़क निर्माण में प्राथमिक सामग्री के रूप में स्टील ग्रिट्स का पुनः उपयोग करना है। सड़कों के किनारों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाना है। भारत जैसे देश, जहां जनसंख्या अधिक और संसाधन सीमित हैं, में नीति-निर्माताओं के लिए पर्यावरण संरक्षणवादी होना महत्त्वपूर्ण हो जाता है। हमें हर कीमत पर पृथ्वी को बेहतर और स्वच्छ बनाने के लिए उपाय करने होंगे। अर्थशास्त्र और मानव जीवन को प्रभावित करने वाले हर पहलू में स्थायी रूप से पर्यावरण मूलक विकास करना होगा। जरूरत है तकनीकी आविष्कार की जो पर्यावरण अनुकूल अर्थव्यवस्था को संभव और सक्षम बना सके। देश में कूड़े को अलग-थलग करने के महत्त्व पर जोर दिया जाए। यह गीले कूड़े की कैलॉरी वैल्यू का पता लगाने और सूखे कूड़े को रिसाइकल करने के लिए महत्त्वपूर्ण है। केंद्र सरकार की ओर से जारी अलग-अलग दूसरे नियम जैसे प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, ई-वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, मेटल्स रिसाइकलिंग पॉलिसी इत्यादि को राष्ट्रीय पर्यावरण अनुकूल रोडमैप के साथ जरूर जोड़ा जाना चाहिए। पर्यावरण असंतुलित होने का सबसे बड़ा कारण आबादी का बढ़ना है जिससे आवासीय स्थलों को बढ़ाने के लिए वन, जंगल यहां तक कि समुद्र स्थलों को भी छोटा किया जा रहा है। पशुपक्षियों के लिए स्थान नहीं है। इन सब कारणों से प्राकृतिक का सतुंलन बिगड़ गया है और प्राकृतिक आपदाएं बढ़ती जा रही हैं। वर्तमान में विकास की जो प्रक्रिया है वह पर्यावरण विनाश एवं प्रदूषण का कारण है। इसलिए यह सामयिक चुनौती है कि पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त कैसे रखा जाए। पर्यावरण-अनुकूल जीवन की ओर बदलाव हमारे ग्रह के भविष्य, मानव-जीवन के अस्तित्व, व्यक्तिगत हित और आर्थिक समृद्धि में निवेश है। हम जो भी पर्यावरण के प्रति जागरूक विकल्प चुनते हैं, वह स्वच्छ, हरित और टिकाऊ दुनिया की ओर कदम है। विकास की चढ़ाई पर्यावरण की दृष्टि से नाजुक और खतरों से भरी है। कदम-कदम पर सावधानी एवं जागरूकता चाहिए वरना पलों की खता सदियों की सजा बन जाती है। बेशक, विकास के सपने देखें मगर उनको हकीकत में बदलते हुए हम क्षण-क्षण पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति भी सचेत एवं सावधान रहें।

राहुल गांधी की विभाजनकारी राजनीति और बेतुकें तर्क

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन चक्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधना चाहा है। जिस तरह से उन्होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में वित्तमंत्री के साथ खड़े लोगों को जाति आधारित संरचना बताया वह कहीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस सेरेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के जो सीनियर अफ़सर होते हैं, वे ही मौजूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ से आया। यह बात समझ से परे है। यही वजह है कि हलवा परम्परा की जब राहुल गांधी अपनी तरह से विवेचना कर रहे थे, तब वित्त मंत्री ने माथा पकड़ लिया था। राहुल गांधी ने जो तुलनाएँ की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि बजट बनाने वालों में कोई एससी-एसटी और ओबीसी अधिकारी नहीं होता, उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। इस तरह की बेतुकी बातें करते हुए वे क्यों नहीं समझना चाहते कि ऐसी स्थिति और इस तरह की परम्परा कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों के समय से ही चली आ रही है। कांग्रेस ही इसकी जिम्मेदार हैं, लेकिन वह कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं। राहुल गांधी एक तरह से यह कहना चाह रहे हैं कि अनारक्षित वर्गों के अधिकारी आरक्षित वर्गों के हितों की उपेक्षा करते हैं। इस तरह वे देश की परम्पराओं एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के समझे बिना ऐसा कुछ कह जाते है जो देश की एकता, अखण्डता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत होता है। राहुल के बोलने का बचकानापन तो कभी-कभी सारी हदें पार कर जाता है। एक बार तो उन्होंने यहां तक कह दिया हैं कि उच्च जाति के शिक्षक प्रश्नपत्र बनाते हैं, इसलिए आरक्षित वर्ग के छात्र फेल हो जाते हैं। आखिर यह भड़काऊ राजनीति नहीं तो और क्या है। राहुल गांधी ने बजट पर सरकार को घेरने के लिए महाभारतकालीन घटनाओं का उल्लेख करते हुए यह भी कह डाला कि जैसे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर लिया गया था, उसी तरह देश को भी मोदी सरकार ने घेर रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री समेत जिन छह लोगों को इस घेराबंदी के लिए जिम्मेदार ठहराया, उसमें अंबानी-अदाणी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भी शामिल कर लिया। उन्होंने दावा किया है कि भारत पर कब्जा करने वाले चक्रव्यूह के पीछे तीन ताकतें है- पहली एकाधिकार पूंजी का विचार, जिसमें दो लोगों को देश की समूची संपत्ति का मालिक बनने की अनुमति देना। दूसरा देश की संस्थाएं, एजेंसियां, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग हैं एवं तीसरी राजनीतिक कार्यप्रणाली है। इन तीनों ने मिलकर देश को तबाह कर दिया है। इस तरह के बयानों एवं बोलों से स्पष्ट है कि वह मनमाने और बेतुके तर्क देने में संकोच नहीं कर रहे हैं। वह अपनी ऐसी बातों से चर्चा में तो आ जाते हैं और उनके समर्थक उनकी वाह-वाही करने में भी जुट जाते हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह न तो समाज को कोई सही दिशा दे पा रहे हैं और न ही सरकार को कोई सार्थक सुझाव। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है, चिन्तनीय है।राहुल गांधी के रुख-रवैये एवं अतिश्योक्तिपूर्ण तर्कों से यही लगता है कि वह अभी भी चुनावी मुद्रा में हैं। अपनी चुनाव पूर्व की आक्रामकता से वे उपरत नहीं हो पाये हैं। वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं। क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है। उन्हें बताना चाहिए कि कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में बजट बनाने में आरक्षित वर्गों के कितने अधिकारियों की हिस्सेदारी होती है। वह मोदी शासन की तरह मीडिया में भी आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी कई बार उठा चुके हैं, लेकिन यह देखने को तैयार नहीं कि आखिर उनके परिवार के प्रभुत्व वाले मीडिया संस्थान में इन वर्गों के कितने लोगों की हिस्सेदारी है। लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट चढ़ रही है। विपक्षी अपनी सार्थक भूमिका का निवर्हन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप-प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। जिससे सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है। आखिर सरकार करे, तो क्या करे। उसने हर सत्र के शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकें करके देख ली। दोनों सदनों के अध्यक्ष और उप-सभापति ने बारंबार समझा-समझाकर सहयोग की अपील कर ली। प्रधानमंत्री ने भी बार-बार सदस्यों से सदन को शांतिपूर्वक बहस के जरिये चलने-चलाने की विनम्र अपील कर डाली। बावजूद इसके एनडीए को सत्ता के आरंभ 2014 से अभी तक विपक्ष का सहयोग नहीं मिल पाया है। संसद के सत्रों की ही भांति नीति आयोग की बैठक का भी लगभग सभी विपक्षी दलों ने बहिष्कार कर दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री आई जरूर, लेकिन उन्होंने भी यह आरोप लगाकर बाहर का रास्ता नापा कि उनको बोलने नहीं दिया गया, माइक बंद कर दिया गया। हालांकि, सरकार ने इससे इनकार किया है। क्या देश के मतदाताओं ने भारी संख्या में विपक्ष को इसीलिए भेजा है कि वे उनके हितकारी कार्यों पर संसद में बहस करने के बजाय सब कुछ हंगामे या बहिष्कार की भेंट चढ़ा दें।

तस्वीरों की दुनिया

बीजद की पूर्व राज्यसभा सांसद ममता मोहंता नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में भाजपा में शामिल हुई।

श्रीनगर में झेलम नदी का जलस्तर घटने के कारण नदी के किनारे खड़ी नावें।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली में वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चीन्ह से मुलाकात की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और जापान के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष नुकागा फुकुशिरो संसद भवन में अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चीन्ह के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में भाग लिया।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने वायनाड में भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा किया और प्रभावित निवासियों से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चीन्ह ने नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में समझौतों का आदान-प्रदान किया।

वायनाड में दो दिन बाद भी जारी है मलबे से शवों की तलाश, 1600 से अधिक जवान लगा रहे जान की बाजी

वायनाड, 02 अगस्त [एजेंसी]।

केरल के वायनाड में मंगलवार तड़के भारी बारिश के बाद बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन के दो दिन बाद भी मलबे में फंसे जीवित लोगों की तलाश के लिए बचाव दल कठिन परिस्थितियों में भी शिद्दत से जुटे हैं। सेना, नौसेना, एनडीआरएफ समेत बचाव दलों के 1,600 से अधिक कर्मी राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं।इसमें अलावा करीब 3,000 स्थानीय नागरिक भी उनकी मदद कर रहे हैं। अब तक 177 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि लगभग 200 लोग अभी भी लापता हैं। मृतक संख्या अभी और बढ़ने की आशंका है। उधर, कुछ अपुष्ट रिपोर्टों में 276 लोगों की मौत होने की बात कही गई है। इस भूस्खलन में वायनाड के चार गांव मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा पूरी तरह तबाह हो गए थे।वायनाड जिले के अधिकारियों ने कहा है कि भूस्खलन में मारे गए लोगों में 25 बच्चे और 70 महिलाएं शामिल हैं और 200 से अधिक अन्य घायल हुए हैं। इनमें से ज्यादातर सबसे ज्यादा प्रभावित मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों के हैं। राहत कार्यों में सड़कें और पुल ध्वस्त होने और भारी उपकरणों की कमी के कारण बाधा भी आ रही है। इसके चलते बचाव कर्मियों के लिए मलबा और बड़े-बड़े उखड़े हुए पेड़ों को हटाना मुश्किल हो रहा है।पेड़ घरों और अन्य इमारतों पर गिर गए हैं, जिससे इमारतें पूरी तरह ढह गई हैं। मुंडक्कई में राहत कार्य में जुटे एक दल ने कहा, हम एक इमारत की छत पर खड़े हैं और नीचे से बदबू आ रही है, जो शवों की मौजूदगी का संकेत दे रही है। इमारत पूरी तरह से कीचड़ और उखड़े हुए पेड़ों से ढकी हुई है। उधर, मुख्यमंत्री पी. विजयन और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य नेताओं ने आपदा प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनके प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की। राहुल ने कहा कि यह आपदा वायनाड, केरल और

राष्ट्र के लिए एक भयानक त्रासदी है। हम यहां हालात देखने आए हैं। यह देखना काफी दर्दनाक अनुभव है कि लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों और घरों को खो दिया है। हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि बचे हुए लोगों को उनका हक मिले। उधर, सीएम विजयन ने यहां एक सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों को बचाना है। उन्होंने कहा कि सेना द्वारा चूरलमाला और मुंडक्कई के बीच बनाए जा रहे बेली ब्रिज के पूरा होने के साथ ही बचाव कार्यों के लिए आवश्यक उपकरण आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाए जा सकेंगे। आपदा प्रभावित क्षेत्र में बचाव कार्यों का समन्वय कर रहे राज्य के राजस्व मंत्री के राजन ने कहा कि कुछ शव बहकर मलप्पुरम जिले में पहुंच गए। इन्हें चलियार नदी से बरामद किया गया है।वायनाड में मौत और विनाश की भयावह खबरों के बीच इडुक्की से एक हृदयस्पर्शी कहानी सामने आई। वहां दो बच्चों की एक मां निस्वार्थ भाव से उन शिशुओं को अपना दूध पिला रही है, जिन्होंने इस आपदा में अपनी माताओं को खो दिया है। महिला, उसका पति और चार साल और चार महीने के उनके दो बच्चे पहले ही मध्य केरल के इडुक्की में अपने घर से वायनाड के लिए रवाना हो चुके हैं। महिला ने बताया, मैं दो छोटे बच्चों की मां हूं। मैं जानती हूं मां के बिना बच्चों की क्या हालत होगी। यह सब देखते हुए ही मैंने ये फैसला लिया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अपने पति से इस बारे में बात की तो उन्होंने भी मेरा समर्थन किया।वायनाड में चिकित्सक, नर्स और अन्य स्वास्थ्य कर्मी लगातार 24 घंटे कार्य कर रहे हैं। उन पर विनाशकारी घटना में गंभीर रूप से घायल लोगों के इलाज और शवों के पोस्टमार्टम का भारी बोझ है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जार्ज ने कहा कि अब तक कुल 256 पोस्टमार्टम किए गए हैं, जिनमें शवों के हिस्से भी शामिल हैं, यानी ये पूरी तरह 256 लोगों के शव नहीं हैं। हमने 154 शव जिला प्रशासन को सौंप दिए हैं। उन्होंने कहा कि पिछली रात हमने 112 शवों का पोस्टमार्टम किया। वहां एक स्वास्थ्यकर्मी रो रही थी।

वह आपदा के बाद से घर नहीं गई और अपने काम में लगी है। उसका कहना था- मैं घर नहीं जा सकती, मुझे यहीं रहना है क्योंकि हमारे अपने लोग आ रहे हैं। मौसम विभाग के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने गुरुवार को कहा कि विभाग ने देश के पश्चिमी तट पर बारिश को लेकर नियमित तौर पर पूर्वानुमान जारी किए थे और 30 जुलाई की सुबह केरल के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया था। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा था कि केरल सरकार ने केंद्र की चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया। आईएमडी प्रमुख ने कहा कि 25 जुलाई को जारी लंबी अवधि के पूर्वानुमान में एक अगस्त तक देश के पश्चिमी तट और मध्य भागों में वर्षा होने का संकेत दिया गया था। उन्होंने कहा, हमने 25 जुलाई को येलो अलर्ट जारी किया था जोकि 29 जुलाई तक जारी रहा, फिर हमने आरेंज अलर्ट जारी किया। 30 जुलाई की सुबह रेड अलर्ट जारी किया गया, जो दर्शाता है कि 20 सेंटीमीटर तक बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि आरेंज अलर्ट का मतलब है कि कार्रवाई के लिए तैयार रहें और रेड अलर्ट का इंतजार न करें।

विपक्षी दल चाहते हैं राज्यसभा में गृह मंत्रालय पर हो चर्चा, टीएमसी की ओर से रखा गया प्रस्ताव

नई दिल्ली। बजट पेश करने के बाद राज्यसभा में विपक्षी दलों की ओर से गृह मंत्रालय पर चर्चा करने की मांग उठी है। हालांकि कुल चार मंत्रालयों पर चर्चा होनी है जिसमें शहरी विकास मंत्रालय और कृषि मंत्रालय पर चर्चा के लिए मंजूरी मिल चुकी है।विगत मंगलवार को कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में गृह मंत्रालय पर चर्चा का प्रस्ताव तृणमूल कांग्रेस की ओर से रखा गया था। इस मांग का समर्थन बीजद ने भी किया है जो विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए का हिस्सा नहीं है। सूत्रों का कहना है कि सभी विपक्षी दलों ने तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा करने की मांग का समर्थन किया है।गुरुवार को ही राज्यसभा में तृणमूल के संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर कहा कि सदन में जिन मंत्रालयों पर चर्चा होनी है उसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी शामिल किया जाना चाहिए।सभी राज्यों की परिषद कही जाने वाली राज्यसभा में वित्त बिल समेत मनी बिल को पारित करने में सीमित भूमिका होती है। राज्यसभा में कुछ मंत्रालयों के कामकाज पर ही चर्चा हो सकती है। लेकिन लोकसभा में चयनित मंत्रालयों को ग्रांट की मंजूरी के लिए चर्चा होती है।

नाबालिग लड़की से प्यार जताने पर युवक को दो साल जेल की सजा, आरोपित ने स्वयं को बताया निर्दोष

मुंबई। मुंबई की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग लड़की का हाथ पकड़ कर प्यार का इजहार करने के जुर्म में एक 19 वर्षीय युवक को दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। पॉक्सो अदालत के न्यायाधीश अश्विनी लोखंडे ने कहा कि आरोपित द्वारा कहे गए शब्दों ने निश्चित रूप से 14 वर्षीय नाबालिग लड़की आहत हुई। अदालत ने 30 जुलाई को दिए गए अपने आदेश में आरोपित को छेड़छाड़ का दोषी ठहराया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, नाबालिग लड़की की मां ने सितंबर 2019 में साकीनाका पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि उसकी बेटी सामान खरीदने के लिए पास की दुकान पर गई थी, लेकिन रोते हुए घर लौटी।शिकायत के अनुसार, पूछताछ करने पर लड़की ने अपनी मां को बताया कि इमारत की पहली मंजिल पर एक युवक ने उसका पीछा किया, उसका हाथ पकड़ा और आई लव यू कहा। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने आरोपित का अपराध स्थापित करने के लिए पीड़िता और उसकी मां सहित चार गवाहों से पूछताछ की।आरोपित ने स्वयं को निर्दोष बताया और अपना बचाव करते हुए दावा किया कि उसका पीड़िता के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। उसने स्वयं घटना वाले दिन उसे मिलने के लिए बुलाया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यदि पीड़िता का आरोपित के साथ प्रेम प्रसंग होता तो वह डर के मारे अपनी मां को घटना के बारे में नहीं बताती।

प्रेमिका के चरित्र पर शक करता था प्रेमी, प्रेमिका को तीसरी मंजिल से फेंका, मौके पर हुई मौत

सातारा। महाराष्ट्र के सातारा जिले के कराड में एक एमबीबीएस छात्रा को उसके पुरुष मित्र ने तीसरी मंजिल से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।मृतक छात्रा बिहार की रहने वाली थी। एक अधिकारी ने कहा कि हरियाणा के सोनीपत के ध्रुव चिक्कारा ने 30 जून को एक बहस के बाद कराड के मलकापुर इलाके में सनसिटी बिल्डिंग से उसे धक्का दे दिया। दोनों एक साथ पढ़ते थे। पिछले कुछ दिनों से दोनों में विवाद चल रहा था। ध्रुव ने उससे कहा कि तुम्हारा किसी दूसरे लड़के के साथ चक्कर चल रहा है, इसके बाद दोनों में झड़प भी हुई थी।

एसबीआई बैंक की पहली मंजिल पर संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग, दमकल ने पाया काबू

पानीपत, 02 अगस्त [एजेंसी]।

जीटी रोड स्थित एसबीआइ बैंक की पहली मंजिल पर गुरुवार रात 12 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। बैंक के चौकीदार ने मामले की सूचना कंट्रोल रूम में दी।जिस सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय पर गाड़ियां पहुंचने से बैंक में होने वाले ज्यादा नुकसान को भी बचा लिया गया।जिला दमकल अधिकारी गुरमेल ने बताया कि डायल 112 के माध्यम से दमकल के पास सूचना आई थी। सूचना मिलते ही लालबत्ती केंद्र से 1 और हाली पार्क से दमकल की 2 गाड़िया मौके पर भेजी। आधे घन्टे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नही चल पाया है। सुबह बैंक खुलने के बाद आग के कारणों का पता चल जाएगा। दमकल अधिकारी ने बताया कि बैंक के चौकीदार से पूछताछ में सामने आया कि बैंक की पहली मंजिल पर बैंक का रिकार्ड रहता है।

अब आशंका लगाई जा रही है कि आग से रिकार्ड को कोई नुकसान हुआ है या नहीं। दमकल अधिकारी ने बताया कि फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। शुक्रवार सुबह 10 बजे वे अपनी टीम के साथ बैंक जाएंगे और आग के कारणों का पता लगाएंगे। शुक्रवार को ही आग से हुए नुकसान के बारे में पता चल जाएगा।

औपचारिक नहीं है समानता का अधिकार, 140 पन्नों के अपने फैसले में CJI चंद्रचूड़ ने और क्या कुछ कहा

नईदिल्ली, 02 अगस्त [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि समानता का मौलिक अधिकार औपचारिक समानता नहीं बल्कि तथ्यात्मक समानता की गारंटी देता है और अगर विभिन्न व्यक्तियों की स्थिति समान नहीं है, तो वर्गीकरण स्वीकार्य है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बहुमत का अपना 140 पृष्ठों का फैसला लिखते हुए कहा कि संविधान वैध वर्गीकरण की अनुमति देता है, बशर्ते दो शर्तें पूरी हों- पहली यह कि ऐसा स्पष्ट अंतर होना चाहिए जो समूह में शामिल व्यक्तियों को समूह के अन्य व्यक्तियों से अलग करता हो। स्पष्ट अंतर का अर्थ है ऐसा अंतर जिसे समझा जा सके।दूसरी- उस अंतर का कानून के जरिये हासिल किए जाने वाले उद्देश्य से तर्कसंगत संबंध होना चाहिए, अर्थात वर्गीकरण के आधार का वर्गीकरण के उद्देश्य के साथ संबंध होना चाहिए। फैसले में इस बात पर विचार किया गया कि क्या उप वर्गीकरण का सिद्धांत अनुच्छेद-14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करता है। अनुच्छेद-14 औपचारिक समानता की नहीं, बल्कि तथ्यात्मक समानता की गारंटी देता है। इस प्रकार अगर किसी व्यक्ति की

कानून के उद्देश्य के संदर्भ में स्थिति समान नहीं हैं, तो वर्गीकरण की अनुमति है। वर्गीकरण का यही तर्क उपवर्गीकरण पर भी समान रूप से लागू होता है।- डीवाई चंद्रचूड़, प्रधान न्यायाधीशजस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि सभी व्यक्ति एक या दूसरे पहलू में असमान हैं। किसी स्थिति में, एक व्यक्ति को भी अपने आप में एक वर्ग माना जा सकता है। उस मामले में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि कानून सूक्ष्म वर्गीकरण न करे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि राज्यों द्वारा अनुसूचित जातियों का उपवर्गीकरण संवैधानिक चुनौती उत्पन्न होने पर न्यायिक समीक्षा के अधीन है। उन्होंने कहा कि जब भी कार्रवाई को चुनौती दी जाएगी, राज्य को अपनी कार्रवाई के आधार को उचित ठहराना होगा।

उपवर्गीकरण का आधार और उसके लिए जिस मॉडल का पालन किया गया है, उसे राज्य द्वारा एकत्र किए गए अनुभवजन्य आंकड़ों के आधार पर उचित ठहराना होगा। दूसरे शब्दों में राज्य को उपवर्गीकरण की कवायद आंकड़ों के आधार पर करनी होगी, वह केवल अपनी मर्जी या राजनीतिक सुविधा के हिसाब से काम नहीं कर सकता। कोटे पर मंडल फैसले का उल्लेख करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उसमें उपवर्गीकरण के क्रियान्वयन को केवल अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) तक सीमित नहीं किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि अनुसूचित जाति के भीतर उपवर्गीकरण अनुच्छेद 341(2) का उल्लंघन नहीं करता क्योंकि जातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल या बाहर नहीं किया गया है।

रूसी सैन्य बलों में कार्यरत आठ भारतीयों की मौत, केंद्र सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली। रूसी सशस्त्र बलों में काम करने वाले भारतीयों के बारे गुरुवार को राज्यसभा में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। कीर्ति वर्धन सिंह ने एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि 12 भारतीय नागरिक पहले ही रूसी सशस्त्र बलों को छोड़ चुके हैं, जबकि अन्य 63 व्यक्ति जल्दी काम छोड़ना चाह रहे हैं। सिंह ने कहा कि आठ भारतीयों के मारे जाने की खबर है।उन्होंने कहा कि सरकार को कुछ भारतीय नागरिकों के नौकरी छोड़ने का अनुरोध प्राप्त हुआ है, जिन्हें अस्पष्ट परिस्थितियों में रूसी सशस्त्र बलों में भर्ती किया गया था। उन्होंने कहा कि ऐसे भारतीय नागरिकों की सही संख्या ज्ञात नहीं है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने चार भारतीय नागरिकों के शव भारत लाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि रूस की सरकार ने कहा है कि मृत व्यक्तियों के परिवारों को मुआवजा प्रदान किया जाएगा।विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा को बताया कि बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास ने अब तक 300 से अधिक उन भारतीय नागरिकों को वापस स्वदेश भेजने में मदद की है। सभी नागरिक थाईलैंड के पड़ोसी देशों में विभिन्न घोटालों में फंस गए थे। एक सवाल के लिखित जवाब में सिंह ने कहा कि थाईलैंड के पड़ोसी देशों म्यांमार, कंबोडिया और लाओस में गुजरात सहित देश के विभिन्न हिस्सों से भारतीय नागरिकों के विभिन्न घोटालों में फंसने के मामले सरकार के संज्ञान में आए हैं।सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा को बताया कि 2023 में 2.16 लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने पिछले पांच वर्षों में नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों पर पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में यह बात कही। अपने जवाब में उन्होंने 2011-2018 का संबंधित डेटा भी साझा किया।उन्होंने बताया कि 2022 में 2.25 लाख, 2021 में 1.63 लाख, 2020 में 85,256 और 2019 में 1.44 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है। मंत्री ने कहा कि नागरिकता छोड़ने का कारण व्यक्तिगत हैं।इस साल तीन देशों में हिंसा या हमलों में भारत के सात छात्रों की मौत हुई है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने पिछले पांच वर्षों के दौरान विदेशों में हमलों में मारे गए भारतीय छात्रों की संख्या पर पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में राज्यसभा में डेटा साझा किया है।

बादल फटने से हिमाचल में 50 लापता उत्तराखंड में 11 की मौत, सरकार अलर्ट

नई दिल्ली। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बुधवार रात और गुरुवार को बारिश मुसीबत बनकर बरसी। हिमाचल में सात जगहों शिमला जिले के गांव गानवी व समेज, कुल्लू जिले के गांव मलाणा व निरमंड, मंडी जिले के गांव राजबन, किन्नौर जिले में सोलारिंग खड्ड व चंबा जिले के रूपणी में बादल फटने के कारण आई बाढ़ व भूस्खलन से 50 लोग लापता हो गए। इसमें शिमला जिले के समेज के 33, कुल्लू जिले के मलाणा व निरमंड के 10 व मंडी जिले के राजबन के सात लोग शामिल हैं।शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने भारतीय सेना की सहायता मांगी। लगभग 125 कर्मियों की क्षमता वाली तीन टुकड़ियां, एक इंजीनियर टास्क फोर्स, लगभग 20 कर्मियों वाली एक मेडिकल टीम सहायता में लगी है। उत्तराखंड में भारी वर्षा से जहां जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया, वहीं 24 घंटे में 11 की मौत हो गई। शिमला जिले में गांव समेज बुधवार रात करीब सवा 12 बजे बादल फटने से पूरी तरह तबाह हो गया। सैलाब की चपेट में आकर गांव के सभी 27 घर बह गए। अन्य राज्य के चार मजदूर, कंदराहड़ खुश्वा क्षेत्र से आठ लोग, छह मेगावाट एसेंट पावर प्रोजेक्ट के सात कर्मचारी और समेज गांव के 14 लोग बह गए। ये सभी लापता हैं।लापता लोगों में आठ स्कूली बच्चे भी हैं। गुरुवार को दो मानव अवशेष मिले हैं।

हमास को दो दिन में दूसरा बड़ा झटका इजरायल ने सैन्य प्रमुख दैफ को गाजा में किया ढेर

यरूशलम, 02 अगस्त [एजेंसी]।

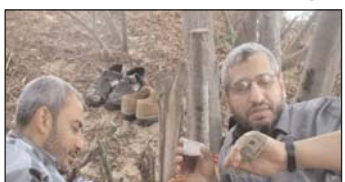

फलस्तीनी संगठन हमास को गुरुवार को लगातार दूसरे दिन हिला देने वाली दूसरी खबर मिली। ताजा खबर गाजा पट्टी में हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख 59 वर्षीय मुहम्मद दैफ के मारे जाने की है।दैफ ही वह शख्स था जिसने याह्या सिनवार के साथ मिलकर इजरायल पर सात अक्टूबर, 2023 के हमले की साजिश रची थी और उसे अंजाम देने में मुख्य भूमिका निभाई थी। उस हमले में 1,200 इजरायली मारे गए थे और उसके बाद इजरायल ने गाजा में युद्ध का एलान किया था। इस युद्ध में अभी तक करीब 40 हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।इजरायली सेना ने बताया कि दैफ को गाजा के खान यूनिस शहर में 13 जुलाई को हवाई हमले में मारा गया। बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया की मिसाइल हमले में मौत हुई थी। इजरायल ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन शक उसी पर है।मुहम्मद दैफ के मारे जाने पर हमास ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। दैफ ही हमास की सैन्य शाखा का वह कमांडर था, जिसकी देखरेख में बीते 30 वर्षों में गाजा पट्टी में भूमिगत सुरंगों का जाल तैयार किया गया और लड़ाकों को घातक बम बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया।इजरायली नागरिकों और सैनिकों पर हमले की कई घटनाओं के लिए इजरायल को दशकों से मुहम्मद दैफ की तलाश थी। वह दशकों से इजरायल की हिट लिस्ट में था। बताते हैं कि पूर्व में कई बार उसे मारने की कोशिश हुई लेकिन वह हमेशा बच निकलता था।इजरायली सेना ने कहा कि दैफ के मारे जाने की जब पुष्टि हो गई है तब सूचना को सार्वजनिक किया जा रहा है। गाजा के दूसरे बड़े शहर खान यूनिस में हुए 13 जुलाई को हुए हवाई हमले में 90 से ज्यादा लोग मारे गए थे उनमें मुहम्मद दैफ भी शामिल था।दैफ का पूरा नाम मुहम्मद दियाब अल-मासरी था और वह गाजा के एक शरणार्थी शिविर में पैदा हुआ था, लेकिन हमास का सदस्य बनने के बाद उसके जीवन का ज्यादा समय सुरंगों में बीता था।हानिया की मौत से एक दिन पहले मंगलवार को इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला के सीनियर कमांडर फुआद शुकर को मारा था। बुधवार को हिजबुल्ला के एक अन्य सीनियर कमांडर अबू निमाह नासेर के मारे जाने की चर्चा है। ईरान समर्थित हिजबुल्ला हमास के समर्थन में आठ अक्टूबर, 2023 से इजरायल पर हमले कर रहा है।

माफिया अतीक और अशरफ हत्याकांड में पुलिस को क्लीन चिट, न्यायिक आयोग ने किए कई खुलासे

लखनऊ, 02 अगस्त [एजेंसी]।

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ की हत्या के मामले में पुलिस को क्लीन चिट मिल गई है। पुलिस अभिरक्षा में हुई हत्या की जांच के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति दिलीप बाबा साहब भोसले की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन हुआ था। आयोग की रिपोर्ट गुरुवार को वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में पेश की। रिपोर्ट में कहा गया है कि 15 अप्रैल, 2023 को मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (काल्विन अस्पताल) में अतीक अहमद और अशरफ की हत्या राज्य/पुलिस अधिकारियों के इशारे पर नहीं हुई थी। घटना पूर्व नियोजित नहीं थी और न ही अभिरक्षा में लापरवाही बरती गई थी। इसके संबंध में आयोग को कोई साक्ष्य भी नहीं मिला। घटना

अचानक हुई। मिलीभगत की बात सत्य नहीं पाई गई। प्रयागराज पुलिस ने हर संभव सावधानी बरती थी और पर्याप्त पुलिस बल सुरक्षा में लगाया गया था। धूमगनंज में 24 फरवरी 2023 को उमेश पाल, उनके दो सरकारी सुरक्षाकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उमेश पाल की पत्नी जया पाल की तहरीर पर पुलिस ने माफिया अतीक, अशरफ समेत कई अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने अतीक को साबरमती और अशरफ को बरेली जेल से लाकर कोर्ट में पेश किया गया था। अदालत ने दोनों भाइयों को पुलिस कस्टडी रिमांड पर भेजने का आदेश दिया था। पूछताछ और पड़ताल में जुटी पुलिस 15 अप्रैल 2023 की शाम कसारी-मसारी के जंगल से पिस्टल और पांच पाकिस्तानी कारतूस बरामद कराने के बाद दोनों को लेकर लौट रही थी।

इसी बीच शूटर लवलेश, सनी और अरुण मीडियाकर्मी बनकर उनका पीछा करते रहे। स्वास्थ्य परीक्षण के लिए दोनों भाइयों को काल्विन अस्पताल ले जाया गया तो गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड की जांच के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति दिलीप बाबा साहब भोसले की अध्यक्षता में न्यायमूर्ति विरेंद्र सिंह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी, पूर्व आईपीएस सुबेश कुमार सिंह व बृजेश कुमार सोनी को शामिल करते हुए न्यायिक आयोग का गठन किया गया था। आयोग ने रिपोर्ट में यह भी कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार पुलिस प्रत्येक 48 घंटे में अतीक व अशरफ की चिकित्सा जांच कराने के लिए बाध्य थी।

प्रेग्नेंसी के कुछ महीने बाद ये लक्षण दिखें तो हो जाएं सावधान, बच्चे के लिए हो सकता है खतरनाक

प्रेगनेंसी में महिलाओं को अपना ख्याल रखना पड़ता है. इसकी शुरुआती महीने से लेकर डिलीवरी होने तक का समय काफी नाजुक होता है. इस दौरान बच्चे के ग्रोथ के लिए खानपान और दवाईयों का सही तरह ध्यान रखना पड़ता है. रेगुलर चेकअप से बच्चे की कंडीशन की सही जानकारी मिलती रहती है.

कभी-कभी कुछ ऐसी चीजें भी हो जाती हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है. प्रेगनेंसी में कुछ लक्षण महसूस होने पर किसी चीज का इंतजार किए बिना ही अपने डॉक्टर से मिलना चाहिए. वरना मां और बच्चे दोनों को नुकसान पहुंच सकता है.

ब्लीडिंग होना

प्रेगनेंसी कंफर्म होने के बाद अगर जरा सी भी ब्लीडिंग या स्पॉटिंग दिखाई पड़े तो परेशानी वाली बात हो सकती है. हालांकि बहुत सी महिलाओं को प्रेगनेंसी में थोड़ी स्पॉटिंग होती है और यह उनकी बॉडी के हिसाब से नॉर्मल बात हो सकती है लेकिन हर किसी के लिए यह सही नहीं है. कई बार प्रेगनेंसी में फिजिकल रिलेशन बनाने या डॉक्टर के पास वजाइनल एग्जैमिनेशन करवाने के बाद थोड़ी ब्लीडिंग हो सकती है, लेकिन अगर इसकी दिक्कत एक दिन से ज्यादा रहे या ज्यादा ब्लीडिंग हो और पेट में दर्द भी तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं.

पेट में दर्द होना

प्रेगनेंसी के दौरान पेट के एक या दोनों ओर या फिर निचले हिस्से में तेज दर्द होने पर तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए. हो सकता है लिगामेंट में खिंचाव की वजह से ऐसा हो गया है. कई बार अपच, एसिडिटी, पेट में इंफेक्शन या दूषित खाने की वजह से भी पेट के बीच या ऊपरी हिस्से में दर्द हो सकता है. बावजूद इसके इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और समय से पहले डॉक्टर से मिल लेना चाहिए, क्योंकि कई बार यह गंभीर भी हो सकता है.

हाथ-चेहरे पर सूजन

प्रेगनेंसी में हाथ-पैर के अलावा शरीर के कई हिस्सों में सूजन आना नॉर्मल होता है लेकिन अगर हाथ के साथ चेहरे पर सूजन नजर आए तो सावधान हो जाना चाहिए. चेहरे पर सूजन के साथ सिरदर्द, पेट में गैस, चक्कर आए या देखने में दिक्कत हो तो ये प्रीक्लैम्प्सिया बीमारी के लक्षण हो सकते हैं. इससे प्रेगनेंसी में ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है, जो गंभीर समस्या है.

ब्लड शुगर ज्यादा या कम होना

प्रेगनेंसी में कई महिलाओं को डायबिटीज की समस्या होती है, इसलिए जरूरी है कि ब्लड शुगर पर नजर रखें. अचानक से ब्लड शुगर ज्यादा या कम होने का असर बच्चे पर पड़ता है, इसलिए डॉक्टर को इसकी जानकारी देते रहें.

वाटर ब्रेक होना

प्रेगनेंसी के दौरान बच्चा एमनीओटिक फ्लूइड में लिपटा रहता है. यह बच्चे की सेहत के लिए बेहद जरूरी भी होता है. वाटर ब्रेक बहुत जल्दी होने पर मां और बच्चे दोनों के खतरा बढ़ता है. इससे मां को इंफेक्शन हो सकता है, जिससे बच्चे के ग्रोथ में रुकावट और समय से पहले जन्म का खतरा बढ़ जाता है. वाटर ब्रेक होने पर बिना समय गंवाए डॉक्टर से मिलना चाहिए.

बच्चे का मूवमेंट न होना

अगर प्रेगनेंसी 28 हफ्ते से कम की है, तो हो सकता है कि बच्चे का मूवमेंट अभी ज्यादा ना हो लेकिन इसके बाद बच्चा अंदर इतना एक्टिव होता है कि उसकी हलचल महसूस की जा सके. अपने बच्चे के मूवमेंट पर बारीकी से गौर करना चाहिए. अगर लगे कि उसका मूवमेंट सामान्य से कम हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए.

छठी मैया की बिटिया में एक-दो नहीं छह किरदार निभाएंगी सारा खान

सपना बाबुल का... बिदाई में साधना का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई सारा खान इन दिनों छठी मैया की बिटिया शो को लेकर चर्चाओं में है। वह इसमें एक नहीं, दो नहीं... बल्कि एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले डबल रोल निभाए हैं, लेकिन कभी छह किरदार नहीं निभाए। यह उनके लिए अलग अनुभव होगा।

सारा छठी मैया की बिटिया में छह कृतिकाओं का किरदार निभा रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा: जब निर्देशक ने मुझे पहली बार उस सीन के बारे में बताया, जिसमें मैं एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदारों के रूप में नजर आऊंगी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ एक प्रोमो के लिए है, कुछ विजुअल इफेक्ट बनाने के लिए या मेरे एंट्री सीन के लिए।

उन्होंने बताया कि उन्हें हर सीन में अपने सभी छह किरदारों के साथ अकेले अभिनय करना था, जो एक चुनौतीपूर्ण काम था।

उन्होंने आगे कहा, मैं सोच रही थी कि क्या हो रहा है। हर सीन में मैं खुद से बात कर रही थी, सवाल पूछ रही थी और उनका जवाब दे रही थी, और अकेले ही चीजों पर रिएक्ट कर रही थी। मैं सोचती रही कि यह कब तक चलता रहेगा।

उन्होंने कहा, बाद में, मैंने कृतिकाओं की कहानी सुनी, जो सात ऋषि मुनियों से शादी करने वाली छह महिलाएं जिन्होंने कार्तिक का पाला था। बाद वही छह कृतिकाएं मिलकर छठी मैय्या बनीं। इस कहानी को सुनने के बाद मुझे समझ आया कि मुझे कई भूमिकाएं निभानी होंगी।

एक्ट्रेस ने कहा कि यह उनके करियर में अब तक किए गए सभी रोल्स की तुलना में बेहद अलग और नया था।

सारा ने कहा, मैंने पहले भी डबल रोल किए हैं, लेकिन कभी एक फ्रेम के लिए छह भूमिकाएं नहीं निभाईं। इसलिए, जब मुझे शूटिंग के पहले दिन इस बारे में पता चला, तो यह मेरे लिए चौंकाने वाला था।

छठी मैया की बिटिया में अनाथ वैष्णवी (एक्ट्रेस वृंदा दहल) की कहानी है। वह छठी मैया को अपनी मां मानती है। छठी मैया अपने भक्तों की जीवन भर रक्षा करती हैं और उनका मार्गदर्शन करती हैं।

इस शो में सारा खान के अलावा, देवोलीना भट्टाचार्जी, जया भट्टाचार्य, वृंदा दहल और आशीष दीक्षित भी हैं।

छठी मैया की बिटिया सन नियो पर प्रसारित होता है।

बता दें कि सारा खान ने साल 2007 में सीरियल सपना बाबुल का... बिदाई से टीवी की दुनिया में कदम रखा था। इस शो में साधना के रोल से वह घर-घर में जानी गईं। इसके बाद वह जी टीवी के शो प्रीत से बंधी ये डोरी राम मिलाई जोड़ी में मोना के किरदार में नजर आईं। उन्होंने इस शो में प्रियल गोर की जगह ली।

वह कलर्स पर प्रसारित होने वाले ससुराल सिमर का को लेकर भी सुर्खियों में रही। इसमें उन्होंने इच्छाधारी नागिन का रोल निभाया। इसके अलावा, वह भाग्यलक्ष्मी में पवित्रा और सौभाग्यलक्ष्मी में कुहू के किरदार में दिखीं।

कवच, संतोषी मां और शक्ति: अस्तित्व के एहसास की जैसे कई टीवी शोज में वह नजर आईं।

वह कई अन्य किरदारों के लिए भी जानी जाती हैं - जैसे दिल बोले ओबेरॉय में मोहिनी का किरदार और जाना न दिल से दूर में कंगना का किरदार काफी मशहूर हुआ।

वह टीवी के सबसे विवादित शो बिग बॉस 4 की हिस्सा भी रहीं और घर में ही अपने ब्वॉयफ्रेंड अली मर्चेंट से शादी की। घर से बाहर आकर दोनों के बीच मनमुटाव शुरू हो गया और दो महीने के अंदर यह शादी टूट गई।

बॉडीकॉन ड्रेस पहने शमा सिकंदर ने खींचा फैंस का ध्यान

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में उन्होंने अपना लेटेस्ट हॉट फोटोशूट फैंस के बीच शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका एलिगेंट और ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं।

एक्ट्रेस शमा सिकंदर इन दिनों भले ही टीवी में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी हॉटनेस से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफों के पुल बांधते रहते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका शानदार लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शमा सिकंदर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं।

शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं।

शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस ने कॉमेंट की बौछार कर दी है। कई सारे यूजर्स लाइक्स और रिएक्शंस देकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा तुम कितनी सुंदर लग रही हो। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा सो हॉट।

अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था की एडवांस बुकिंग शुरू

अजय देवगन अपनी फिल्मों में अक्सर कुछ अलग करने का प्रयास करते हैं। इनमें से उनकी कुछ मूवीज का जादू पर्दे पर कुछ इस तरह चलता है कि लोग सालों बाद भी उनकी परफॉर्मेंस को भूलते नहीं। इस साल एक्टर की शैतान और मैदान रिलीज हुई और अब वह तब्बू के साथ औरों में कहां दम था लेकर हाजिर होने वाले हैं।

एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी और स्पेशल 26 जैसी फिल्में बनाने वाले नीरज पांडे अब औरों में कहां दम था लेकर आ रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म का डायरेक्शन किया है। अजय देवगन और तब्बू ने अब तक कई फिल्मों में काम किया है और अब वह अपनी 10वीं फिल्म को लेकर हाजिर होने वाले हैं।

औरों में कहां दम था एक प्रेम कहानी है। यह दो ऐसे लवर्स की स्टोरी है, जिनका सामना 22 साल बाद होता है। इसके बाद क्या होता है, इसके लिए आपको फिल्म देखनी होगी, जो कि 2 अगस्त को रिलीज हो रही है। औरों में कहां दम था की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। अजय देवगन ने पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।

बुक माय शो पर अगर इस फिल्म का ट्रेंड देखें, तो फिलहाल इसे ठीकठाक रिस्पांस मिला है। फिल्म के लिए 25 हजार से ज्यादा लोगों ने दिलचस्पी दिखाई है। यह संख्या बढ़ भी सकती है।

फिल्म की स्टार कास्ट में अजय देवगन और तब्बू के अलावा शांतनु महेश्वरी, जिमी शेरगिल और सई मांजरेकर मुख्य किरदार में नजर आएंगे।

वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी का नया टीजर जारी, दमदार लुक में नजर आईं तब्बू

वेब सीरीज ड्यून: प्रोफेसी का इंतजार फैंस को लंबे समय से है। इस बीच निर्माताओं ने लोगों को एक और सौगात देते हुए इसका दूसरा टीजर जारी कर दिया। यह टीजर भारतीय दर्शकों के लिए भी काफी खास है, क्योंकि इसमें तब्बू की पहली झलक भी सामने आ गई है।

एचबीओ ओरिजिनल की इस वेब सीरीज का टीजर एक मिनट 10 सेकंड लंबा है। सीरीज के टीजर में सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू के बहुप्रतीक्षित लुक से भी पर्दा उठ गया है। यह सीरीज हजारों साल पहले की कहानी बयां करती नजर आएगी। टीजर में एमिली वॉटसन का किरदार वाल्या हार्कोनेन कहता है, बलिदान तो करना ही होगा। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे बेने गेसेरिट अपनी बहनों को शक्ति का प्रयोग करने और अपने दिमाग पर पूरा नियंत्रण रखने के लिए प्रशिक्षित करती हैं।

टीजर में तब्बू को सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में महज पल भर के लिए दिखाया गया है, लेकिन यह अभिनेत्री के फैंस के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं है। इस टीजर में उन्हें काले कपड़े पहने हुए देखा जा सकता है। हालांकि, टीजर में वह कोई भी संवाद बोलती नजर नहीं आई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में तब्बू का किरदार बुद्धमान, मजबूत और आकर्षक होगा।

यह सीरीज ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे एंडरसन के लिखे उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है। तब्बू और एमिली के अलावा, इसमें ओलिविया विलियम्स, जोहदी मे, ट्रैविस फिमेल, सारा-सोफी बोस्निना, मार्क स्ट्रॉन्ग, क्लो ली, जोश हेस्टन, जेड एनोका, एडवर्ड डेविस, फॉइलेन कनिंघम, एओइफ हिंड्स, शालोम ब्रून-फ्रैंकलिन और क्रिस मेसन भी हैं। शो के निर्माता इसे नवंबर में रिलीज करने की तैयारी में हैं।

डेब्यू के लिए तैयार वरुण धवन की भतीजी अंजिनी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन फिल्म बिन्नी एंड फैमिली से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पंकज कपूर अभिनीत, एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा है। प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए निर्माताओं ने फिल्म पहला पोस्टर भी जारी किया है। साथ ही रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया गया है। बिन्नी एंड फैमिली का फर्स्ट लुक पोस्टर बालाजी मोशन पिक्चर्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी किया गया। पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा गया, पुराने जमाने के संस्कार बनाम आजकल के आधुनिक विचार। जटिलताओं से भरी फैमिली है बिन्नी की, पर ये कहानी है हम सब की। मिलिए बिन्नी एंड फैमिली से 30 अगस्त को अपने नजदीकी सिनेमा घरों में।

शब्द सामर्थ्य -136

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. सवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 135 का हल

दि	क	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

बॉक्स ऑफिस पर बैड न्यूज हुई सुस्त, 12वें दिन का कलेक्शन जान लगेगा झटका

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की तिकड़ी वाली फिल्म 'बैड न्यूज' ने रिलीज से पहले ही काफी माहौल बना लिया था. फिल्म के 'तौबा-तौबा' गाने 'जानम' सॉन्ग ने भी 'बैड न्यूज' के लिए फैंस की एक्साइटमेंट को बढा दिया था. वहीं फिल्म जब सिनेमाघरों में रिलीज हुई तो इसे दर्शकों और क्रिटिक्स से शानदार रिस्पॉन्स मिला. इसके बाद से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है हालांकि वीकडेज में फिल्म की कमाई में गिरावट भी आई. चलिए यहां जानते हैं 'बैड न्यूज' ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया? 'बैड न्यूज' की शुरुआत अच्छी हुई थी. फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर तो डबल डिजीट में कमाई की थी. हालांकि पहले हफ्ते में फिल्म के कलेक्शन में गिरावट भी देखी गई लेकन फिर भी इसने अच्छी कमाई की. अब ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है. 'बैड न्यूज' ने दूसरे वीकेंड पर भी अच्छा कारोबार किया लेकिन दूसरे मंडे से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुस्त पड़ गई है. वहीं 'बैड न्यूज' की कमाई की बात करें तो फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 8.3 करोड़ की कमाई की थी. इसके बाद फिल्म का पहले हफ्ते का कारोबार 42.85 करोड़ रहा. वहीं दूसरे हफ्ते के दूसरे फ्राइडे फिल्म ने 2.15 करोड़ और दूसरे शनिवार को 3.25 करोड़ कमाए. सेकंड संडे फिल्म ने 3.75 करोड़ और सेकंड मंडे 98 लाख का कलेक्शन किया.

नगर पालिका शिवपुर चर्चा का होगा सर्वांगीण विकास

6 करोड़ के विकास कार्य की मांग की विधायक भैया लाल राजवाड़े ने

पालिका उपाध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष ने विकास कार्यों की बनाई सूची

चरचा कालरी। नगर पालिका शिवपुर चर्चा के जनक स्थानीय विधायक भैयालाल राजवाड़े के द्वारा नगर पालिका शिवपुर चर्चा के सर्वांगीण विकास हेतु संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन को पत्र प्रेषित कर 6 करोड रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की मांग की।

प्रेषित पत्र में विधायक भैया लाल राजवाड़े ने 15 वां वित्त आयोग मद टाइड एवं अनटाइड वर्ष 2024- 25 में विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान करने व अधो संरचना मद वर्ष 2024 25 में विकास कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने हेतु उल्लेखित किया है उल्लेखित किया है नगर पालिका शिवपुर चर्चा के उपाध्यक्ष राजेश सिंह व अरुण जायसवाल नेता प्रतिपक्ष एवं मंडल अध्यक्ष शिवपुर चर्चा नई जानकारी देते हुए कहा कि नगर पालिका शिवपुर चर्चा के सर्वांगीण विकास हेतु हम सभी प्रतिबद्ध हैं नगर पंचायत से नगर पंचायत से नगर पालिका का स्वरूप देने वाले विकास पुरुष भैया लाल राजवाड़े जी ने हमें कहा कि शिवपुर चर्चा मेरी प्राथमिकता है आप प्रत्येक वार्ड का निष्पक्ष भाव से प्रत्येक वार्ड के जरूरी कार्यों की जानकारी दीजिए इस पर हम लोगों ने प्रत्येक वार्ड में जाकर बिना भेदभाव के पार्षदों से जानकारी लेकर एस्टीमेट बनवाएं और निकाय के इंजीनियर वर्ष इंजीनियर व सीएमओ के साथ रायपुर जाकर विधायक भैयालाल राजवाड़े जी से अनुशंसा कराकर विभाग में मांग पत्र दिए पूर्व कांग्रेस शासन काल में मनमाने तरीके से भेदभाव कर वार्डों में चिंतित वार्डों में ही कार्य कराया जाता था जबकि भाजपा की मंसा सबके साथ सबके विकास की है और हम इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं नगर पालिका शिवपुर चर्चा को प्रदेश की अग्रणी नगर पालिका की श्रेणी में लाना है।

नगर पालिका शिवपुर चर्चा में राइजर से पाइपलाइन विस्तार एवं 300 के एल वॉटर टैंक स्थापना कार्य लागत 196.78 लाख , रॉ वॉटर पंपिंग हेतु इंटक वेल में होरिजेंटल स्पेलिंग केसिंग सेंट्रीफुल पंप स्थापना कार्य दो नग लागत 50 लाख ,,क्लियर वॉटर पंपिंग हेतु वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में होरिजेंटल स्प्लिट केसिंग सेंट्रीफुल पंप स्थापना कार्य दो नग लागत 40 लाख ,वार्ड क्रमांक 7 मटन मार्केट से गैस गोदाम तक गौरव पथ में बीटी रोड निर्माण कार्य लागत 51.37 लाख ,वार्ड क्रमांक 1 कठौतिया पारा पीपल पेड़ से पंडोपाड़ा गुलाब घर एवं काशी घर तक बीटी रोड निर्माण कार्य लागत 22 लाख ,वार्ड क्रमांक 2 आंगनबाड़ी से पुराना शौचालय तक फुटपाथ निर्माण कार्य लागत 3 लाख , वार्ड क्रमांक 2 सूरज सारथी घर से महेंद्र किराना तक सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 8 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 1 प्रमोद पासवान घर से निरंजन घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 10 लाख रुपए सहित निकाय के समस्त वार्डों में लाखों रुपए की लागत के विकास कार्य हैं।

डीएवी में फीस वृद्धि को लेकर एनएसयूआइ ने जताई आपत्ति

बिश्रामपुर। नवीन शैक्षणिक शिक्षा सत्र में डीएवी पब्लिक स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रवेश शुल्क में की गई वृद्धि का विरोध दर्ज कराते हुए विद्यालय प्राचार्य को ज्ञापन सौंप कर एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल ने प्रवेश शुल्क पूर्ववत रखने की मांग की है। छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव सरफराज खान ने बताया दशकों से यहां डीएवी क्षेत्र विद्यालय संचालित है। सीबीएसई पाठ्यक्रम से संचालित इस उत्कृष्ट विद्यालय में बच्चे शिक्षा ग्रहण कर अपना भविष्य सुधार रहे हैं। हर व्यक्ति अपने बच्चे को इस विद्यालय में शिक्षा दिलाना चाहता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में संस्था द्वारा प्रवेश शुल्क में अत्यधिक वृद्धि कर दिए जाने से अभिभावकों की परेशानी बढ़ा दी गई है। प्रवेश शुल्क करीब 43 हजार रुपये कर दिया गया है।

गार्डन के पास से सायकिल पार

रायपुर। ऑक्सीजोन गार्डन के बाहर खड़ी सायकिल को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। 17 वर्षीय किशोर ने सिविल लाइन थाना में शिकायत किया कि वह अपनी सायकिल को ऑक्सीजोन गार्डन के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए सायकिल की कीमत करीब 9 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार की दिशा में सार्थक पहल

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्टर कोरिया विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुशार पूरे जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने हेतु जिले के अधिकारियों सहित सभी संकुल प्राचार्यों को हर माह संकुल के अधीनस्थ विद्यालयों के निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है इसी क्रम में शा. आ. क. उ. मा. वि. के संकुल प्राचार्य अमृतलाल गुप्ता को विद्यालय निरीक्षण संबंधी संकुल केंद्र शा हाई स्कूल झरनापारा बी के अधीन संस्थाओं में से 30 जुलाई को शा. प्रा. शाला कदमनारा व शा. प्रा. शाला जोबापारा, 31 जुलाई को शा. पूर्व मा. शाला व प्राथमिक शाला जटासेमर ,01 अगस्त को शा. प्राथमिक शाला संबोधापारा व प्राथमिक शाला तेलाईधार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। सभी स्कूलों के प्रधानपाठकों को अनिवार्य रूप से पाठ्यक्रम कलेण्डर के अनुसार शिक्षक दैनंदिनी तैयार कर अध्यापन कार्य करने के निर्देश दिए गए।साथ ही सभी आवश्यक पंजियों का संधारण,सभी बच्चों को बोलने, सीखने ,पढ़ने , लिखने की गुणवत्ता, शौचालय व परिसर की साफ सफाई ,पीने के लिए स्वच्छ जल उपलब्धता,मीनू के अनुसार ही मध्यान्ह भोजन बच्चों को देना,निर्धारित समयानुसार शिक्षको की विद्यालय में उपस्थिति,प्रिंट रिच वातावरण वाल पेंटिंग्स ,एवम शैक्षणिक कार्यों का निरीक्षण किया गया।ततपश्चात प्रधानपाठक सहित सभी शिक्षकों को शासन के मंशानुरूप विद्यालय हित मे उत्कृष्ट कार्य करनें के आवश्यक सुझाव सहित दिशानिर्देश दिए गये। निरीक्षण के दौरान शा प्राथमिक शाला तेलाईपारा के कक्षा 02 से 05 तक के बच्चों का हिन्दी, अंग्रेजी विषय का बिना रुके पढ़ना व गणित संबंधित जानकारी पूछने पर उनका शैक्षणिक ज्ञान बेहतर पाया गया।

27 हजार मासिक किराए की वाहन से करते थे गांजा तस्करी

अंबिकापुर। गांजा की तस्करी के लिए तस्कर किराए की वाहनों का उपयोग कर रहे हैं। अंबिकापुर की कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार गांजा तस्कर ने उक्त तथ्य का राजफाश किया है। गांजा लोड जिस अर्टिगा कार को पुलिस ने जब्त किया था उसे तस्करों ने 27 हजार रुपये मासिक किराया में लिया था। इससे संभावना जताई जा रही है कि आरोपितों द्वारा किराए की वाहन से गांजा तस्करी कर बड़ी कमाई की जा रही थी। दरअसल अंबिकापुर की कोतवाली पुलिस ने बीते 18 जून को एक अर्टिगा कार से 50 किलो गांजा जब्त किया था। रायगढ़ मार्ग से गांजा लेकर आने की खबर पुलिस को पहले लग गई थी। पुलिस ने शहर सीमा के समीप घेराबंदी की थी। पुलिस पकड़ में आ जाने के भय से तस्करों ने गांजा लोड अर्टिगा कार को लावारिस छोड़ दिया था और भाग निकले थे। वाहन से कुल 50 किलोग्राम गांज बरामद किया गया था। मामले में पुलिस टीम द्वारा पूर्व में एक आरोपित मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के राहुल सोनी को गिरफ्तार कर 21 जुलाई को ही न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। नगर पुलिस अधीक्षक रोहित शाह के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार फरार आरोपित की खोजबीन कर रही थी। आखिरकार पुलिस ने घटना में शामिल एक अन्य आरोपित अंशुल शुक्ला (23) दरभंगा चौक वार्ड नंबर 23 शहडोल मध्यप्रदेश को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने बताया कि अर्टिगा वाहन को वाहन मालिक से 27 हजार रुपये मासिक किराया के आधार पर लिया गया था। इसके लिए बाकायदा किराया का अनुबंध किया गया था। अर्टिगा वाहन के माध्यम से 50 किलो गांजा ओडिसा से अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर तस्करी करना स्वीकार किया। इस मामले में संलिप्त अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। आरोपित ने गांजा तस्करी में संलिप्त अन्य आरोपितों के संबन्ध में भी पुलिस को महत्त्वपूर्ण जानकारी दी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक अभिषेक दुबे, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, आरक्षक अनुज जायसवाल, शिव राजवाड़े, जितेश साहू, शामिल रहे।

गोदाम में लगी भीषण आग, सामान जलकर खाक

सूरजपुर। गुरुवार सुबह छह बजे नगर के मनेन्द्रगढ़ मार्ग स्थित लक्ष्य आटो पार्ट्स के प्रथम तल पर स्थित गोदाम में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें बाहर निकलने लगी। चार दमकल वाहनों की मदद से रेस्क्यू कर्मियों ने दो घण्टे की कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। आग की वजह से गोदाम के पीछे किराए पर रह रही शिक्षिका के घर को भी काफी क्षति हुई है। दुकान संचालक को 50 से 60 लाख रुपये की क्षति की बात कही जा रही है।

बताया गया कि नगर के मनेंद्रगढ़ रोड स्थित लक्ष्य आटो पार्ट्स के प्रथम तल पर दुकान संचालक का गोदाम है। गोदाम के पीछे शिक्षिका श्वेता चौरसिया किराए पर रहती हैं। गुरुवार को सुबह छह बजे आटो पार्ट्स संचालक रितेश साहू के प्रथम तल स्थित गोदाम से धुआं निकलता देख खलबली मच गई और देखते ही देखते गोदाम से आग की तेज लपटें निकलने लगी। आग की सूचना तत्काल पुलिस व प्रशासन को दी गई। कलेक्टर की सूचना पर प्रशासन की दो दमकल वाहनों समेत एसईसीएल और कोरिया प्रशासन की एक एक दमकल वाहन आग को नियंत्रित करने मौके पर पहुंच गया। तब तक गोदाम में रखे अति ज्वलनशील बाइक व ट्रेक्टर के टायरों समेत मोबिल व पार्ट्स सामग्रियों में लगी भीषण आग ने रौद्र रूप धारण कर लिया था। एडिशन एसपी संतोष महतो व कोतवाली टीआई विमलेश दुबे भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए थे। 27 हजार मासिक किराए की वाहन से करते थे गांजा तस्करी27 हजार मासिक किराए की वाहन से करते थे गांजा तस्करी। चार दमकल वाहनों के जरिए रेस्क्यू कर्मचारियों ने दो घण्टे की कड़ी मेहनत के बाद गोदाम में लगी आग को नियंत्रित किया। तब तक गोदाम में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। घटना स्थल पर दो एलपीजी गैस सिलेंडर की जानकारी मिलने पर अग्निशमन कर्मचारियों से गैस सिलेंडर फटने से गंभीर हालत निर्मित होने की संभावना को देखते हुए सर्वप्रथम दोनो गैस सिलेंडरों को सुरक्षित बाहर निकाला था। दुकान संचालक रितेश साहू की माने तो आगजनी से उन्हें 50 से 60 लाख का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि दुकान के गोदाम में रखे ट्रेक्टर व दोपहिया वाहनों के दो दर्जन से अधिक टायरों समेत करीब 20 पेटी मोबिल ऑयल व ऑटो पार्ट्स जलकर खाक हो गए है। भीषण आग की वजह से गोदाम की छत व दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई है। वही गोदाम से सटे किराए के मकान में रहने वाली शिक्षिका श्वेता चौरसिया के कमरे में रखा पलंग, फ्रिज, वाशिंग मशीन, गद्दा आदि घरेलू सामान जल जाने से उन्हें भी काफी क्षति हुई है। अग्निशमन टीम ने दुकानदारों और निवासियों से अपील की है कि वे सुरक्षा मानकों का पालन करें। आग बुझाने के उपकरणों का रखरखाव और उनका सही उपयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी संस्थानों व प्रतिष्ठानों के संचालक अग्निशमन उपकरणों की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन की टक्कर से पांच मवेशी की मौत

बलरामपुर। अंबिकापुर-रामानुजगंज राष्ट्रीय राजमार्ग पर सेमरसोत के समीप वाहन की टक्कर से पांच मवेशियों की मौत हो गई। घटना बुधवार रात को हुई। बारिश के सीजन में मवेशियों के सड़क पर रहने के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। घटना की जानकारी मिलने के बाद यातायात विभाग दिलीप नेताम, अमित मिंज पहुंचे जिनके द्वारा मृत गायों को सड़क के किनारे किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग में पहले भी मवेशियों की मौत तेज गति के वाहनों की चपेट में आने से हो चुकी है इसी मार्ग पर हुई पहली घटना में नौ मवेशी की मृत्यु हुई थी वही दूसरी घटना में एक साथ एक ही रात में 11 मवेशी की मृत्यु हो चुकी है।कई बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। देर रात बड़ी वाहनें तेज गति से चलती है। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्ग में मवेशी बैठे रहते हैं जो बड़ी वाहनों के चपेट में आ जाते हैं। बुधवार की रात भी वाहन के चपेट में आने से पांच मवेशी की मौत हलाहल पुल मोड़ के आगे हो गई। घटना के बाद यातायात विभाग को सूचना मिलने पर यातायात विभाग के दिलीप नेताम एवं अमित मिंज मौके पर पहुंचे जिनके द्वारा मृत गायों को सड़क के किनारे करवाया गया कुछ वर्ष पहले भी इस प्रकार की घटनाएं लगातार हो रही थी, जिसके बाद तात्कालिक बलरामपुर रामानुजगंज जिले के पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार ने जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अन्य मार्गों में बैठे रहने वाले मवेशियों के गले में रेडियम पट्टा लगवाया था ताकि दूर से ही उनके बैठे होने का रात में पता चल सके इसके बाद से घटनाओं में काफी कमी आ गई थी।

ताला तोड़कर मंदिर में की चोरी

रायपुर। भाटापारा में चोरों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। गांधी मन्दिर वॉर्ड में स्थित रिलायंस ट्रेंस में अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़ दिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फर्स्ट फ्लोर एवं ग्राउंड फ्लोर पर सामान बिखरा हुआ मिला। टुटे ताले को देखकर स्टोर मैनेजर शिवनंदन ने भाटापारा शहर थाने में चोरी होने की शंका में शिकायत की। भाटापारा शहर थाना पुलिस जांच में जुट गई है। दो दिन पहले भी शहर में लगभग 20 लाख रुपये चोरी कर फरार चोर का पुलिस नहीं खोज पाई है।

कलेक्टर के नाम से संचालित हो रहा फर्जी व्हाटसअप, सतर्क रहने की अपील

अंबिकापुर। सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर के नाम से फर्जी व्हाटसअप का संचालन साइबर अपराधियों द्वारा किया जा रहा है। कलेक्टर ने इसकी पुष्टि करते हुए आम लोगों व अधिकारी-कर्मचारियों से सतर्क रहने की अपील की है। सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर इंटरनेट मीडिया के नाम पर सिर्फ व्हाट्सअप का ही उपयोग करते हैं। प्रशासनिक तंत्र के बीच सूचनाओं के त्वरित आदान - प्रदान के लिए व्हाटसअप का उपयोग करने वाले कलेक्टर के नाम पर कुछ अधिकारियों के पास गुरूवार सुबह कुछ संदेश गए। इनमें अधिकारियों से उनका हालचाल पूछने के साथ वर्तमान में वे क्या कर रहे हैं,इस संबन्ध में भी जानकारी पूछी गई। अमूमन कलेक्टर व्यक्तिगत रूप से ऐसे संदेश नहीं भेजते। कुछ लोगों के पास व्हाट्सअप काल भी गया। कुछ अधिकारियों को संदेह हुआ। उनके माध्यम से बात कलेक्टर तक पहुंची। पता चला कि कलेक्टर ने ऐसा कोई संदेश भेजा ही नहीं है। व्हाट्सअप प्रोफ़ाइल में कलेक्टर की तस्वीर भी है लेकिन शुरुआती कोड नंबर श्रीलंका का उल्लेखित है। बिजनेस अकाउंट वाले उक्त व्हाटसप नंबर के पिछले महीने ही ज्वाइन होने का उल्लेख है। इससे संभावना है कि साइबर अपराधियों ने ही कलेक्टर के नाम पर फर्जी व्हाट्सअप का संचालन शुरू किया है।इसकी जानकारी कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक को दे दी है। पुलिस उक्त संदिग्ध नंबर की जांच कर रही है। सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। कलेक्टर विलास भोसकर ने उनके नाम से संदिग्ध व्यक्ति द्वारा संचालित फेक व्हाट्सएप की पुष्टि करते हुए सभी से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने यह कहा है कि उनके द्वारा फेसबुक, ट्विटर या इंस्टाग्राम जैसे इंटरनेट मीडिया अकाउंट का भी इस्तेमाल नहीं किया जाता है। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बताया कि पुलिस मामले की जांच आरंभ कर चुकी है। उन्होंने भी जनमानस से सजग और सतर्क रहने का आग्रह किया है। बताते चले कि साइबर अपराधियों द्वारा सरगुजांचल में अलग-अलग तरीकों से लोगों से साइबर ठगी की जा रही है। इस फर्जी व्हाटसअप नंबर को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

सरेआम शराब पीते 10 पकड़ाए

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार खम्हारडीह पुलिस ने बीएसयूपी मोड़ कचना के पास सरेआम शराब पीते आरोपी मयूर चावला 20 वर्ष, दीव्यांसू द्विवेदी 29 वर्ष व विकाश रोहरा 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं उरला पुलिस ने आरोपी हीरालाल कर्ष 34 वष एवं नेवरा पुलिस ने आरोपी रामप्रसाद सोनवानी 36 वर्ष, रामभरोसा निषाद 57 वर्ष, गीतू पाल 27 वर्ष, प्रमोद जोशी 25 वर्ष और कृष्ण कुमार पाल 47 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

मृत व्यक्ति के नाम की जमीन को बंधक रख निकाला ऋण,एक जालसाज गिरफ्तार

लखनपुर। मृत व्यक्ति के फर्जी हस्ताक्षर एवं कूटरचित दस्तावेजों से बैंक से दो लाख 18 हजार रुपये का ऋण आहरित कर लिया गया। इसके लिए मृत व्यक्ति के नाम की जमीन को बैंक में बंधक भी रख दिया गया था। मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। अरोपित बलराम बसोर (40) मूलतः मुटकी उदयपुर का रहने वाला है।वर्तमान में वह जयनगर के फोकटपारा में निवास करता था। उसे सिर्फ पांच हजार रुपये मिले थे। जालसाजी के इस प्रकरण में फरार अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार ग्राम खुटिया निवासी रामअवतार ने आठ जुलाई को थाना लखनपुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह ग्राम खुटिया का स्थाई निवासी है। वहां उसकी पैतृक सम्पत्ति है जिस पर कृषि कार्य करता है। वर्ष 2019-20 में जमीन सम्बन्धी दस्तावेज बी-वन निकालने के दौरान अपने पैतृक जमीन में पिता रामचरण के नाम से कुल दो लाख 18 हजार रुपये का ऋण स्टेट बैंक आफ इंडिया शाखा लखनपुर से होना एवं उक्त जमीन 20 दिसंबर 14 से बैंक में बंधक होने की जानकारी प्राप्त हुई। प्रार्थी के पिता की वर्ष 2008 में ही मृत होने उपरांत 2014 में बैंक ऋण लेने की जानकारी प्राप्त कर ऋण प्राप्त करने हेतु लगे दस्तावेज में अनावेदक बलराम मुटकी उदयपुर का होना पाया गया।अनावेदक बैंक में अपना नाम रामचरण मुटकी उदयपुर बताकर बैंक से प्रार्थी के पिता के नाम से जमीन पर ऋण प्राप्त किया है। मामले में आरोपित द्वारा फर्जी रूप से मृतक के कुटरचित दस्तावेज तैयार कर अपना फोटो लगाकर दो लाख 18 हजार रुपये का केसीसी बैंक लोन प्रार्थी के जमीन पर निकाल कर गबन किया गया हैं। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपित बलराम बसोर को जयनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अन्य साथियो के साथ मिलकर मृतक रामचरण का फर्जी हस्ताक्षर कर एवं कूटरचित दस्तावेज के माध्यम से बैंक ऋण निकालना स्वीकार किया। आरोपित के अनुसार उसे सिर्फ 5000/- रुपये प्राप्त हुए थे। उक्त राशि को उसने खुद पर खर्च कर दिया है। शेष रकम अन्य आरोपितों द्वारा रखे जाने की जानकारी उसने दी है।मामले में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक अश्वनी सिंह, आरक्षक दशरथ राजवाड़े, जानकी राजवाड़े शामिल रहे।

शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप पर पार्षद के विरुद्ध प्राथमिकी

अंबिकापुर। शहर के बौरीपारा रिंग रोड पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान निगम कर्मचारियों से गाली-गलौज और शासकीय कार्य में बाधा उतपन्न करने के आरोप पर पुलिस ने पार्षद सतीश बारी के विरुद्ध प्राथमिकी की है। निगम के उड़नदस्ता प्रभारी रविंद्र लाल ने शिकायत की थी कि रिंग रोड के फुटपाथ व रिटेनिंग वाल पर शेड्युक्त दुकान का अवैध तरीके से निर्माण किया जा रहा था। अतिक्रमणकारी को 23 जुलाई को ही अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। अतिक्रमणकारी द्वारा कब्जा नहीं हटाने पर 24 जुलाई को उड़नदस्ता टीम कार्रवाई के लिए गई थी। आरोप है कि उड़नदस्ता टीम के साथ स्थानीय पार्षद सतीश बारी द्वारा गाली-गलौज कर शासकीय वाहन की चाबी छीन ली गई। अतिक्रमण हटाने के विरोध में वार्ड के लोगों को एकत्रित कर अनर्गल आरोप लगवाए गए। इस मामले में उड़नदस्ता टीम के प्रभारी रविन्द्रलाल द्वारा थाने में सतीश बारी सहित अन्य के विरूद्ध शासकीय कार्य में बाधा डालने व कर्मचारियों से गाली-गलौज की लिखित शिकायत की थी जिसपर पुलिस ने पार्षद सतीश बारी व अन्य के विरूद्ध प्राथमिकी की है। पार्षद सतीश बारी ने कहा कि भरी बरसात में किसी का घर तोड़ रहे थे। पार्षद होने के नाते विरोध किया तो जातिगत गाली -गलौज का अपराध दर्ज कराया गया है। किसी परेशान वार्डवासी के पक्ष में खड़ा होना कोई अपराध नहीं है। क्या कोई जनप्रतिनिधि किसी परेशान वार्डवासी के पक्ष में खड़ा नहीं हो सकता।

करंट लगने से सीमेंट फैक्ट्री कर्मी की मौत

रायपुर। अडानी एसीसी सीमेंट फैक्ट्री में एक बड़ा हादसा सामने में आया है ,जहां आबिद खान जो कि इस कंपनी में काम कर रहा था मेंटेनेंस ऑफिस में 8: 00 -9:00 रूके बीच करंट लग कर जलने से उसकी मौत हो गई है ।आबिद 29 वर्ष का था और लगभग 10 साल से यहां कार्य कर रहा था जो जामुल वार्ड नं 2 विश्वकर्मा चौक का निवासी है। उसके पत्नी, बुजुर्ग पिता ,दो बच्चे , लड़की 3 वर्षीय और एक लड़का 1.5 वर्ष का है। अडानी एसीसी एक प्रतिष्ठित समूह है । लगभग 3 माह पूर्व भी यहीं एक ड्युटी पीरेड मे एक कर्मचारी की हत्या भी हुई थी । एक बड़े समूह की कम्पनी मे इस प्रकार की घटना का होना कहीं ना कहीं श्रम कानून एवं नियमो की अवहेलना को दर्शाता हैं। प्रत्यक्षदर्शियो के अनुसार आबिद शरीर इतना जल गया था कि शरीर से बदबू भी आ रही थी। कुछ माह पूर्व इसी कम्पनी मे बाल राजू नाम के कर्मचारी की हत्या हुई थी तब प्रबन्धन ने आवश्यक कदम क्यों नहीं उठाए और सीसीटीवी कैमरा क्यों नही लगाए। फ्लिहाल कर्मचारी समूह और परिवार ने उचित मुआवजे की मांग की है । इस बड़ी घटना के बाद अब तक प्रबन्धन ओर से कोई भी व्यक्ति घटना की जानकारी देने सामने नही आया है।

आकाशीय बिजली से मां-बेटा व 10 मवेशियों की मौत

वाड्रफनगर। लंबी प्रतीक्षा के बाद उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में गुरुवार को झमाझम बारिश हुई। इस दौरान बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर ब्लाक के शारदापुर (सु) में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मां - बेटे की मौत हो गई। तीन लोग झुलस गए। बरतीकला में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 10 मवेशियों की भी मौत हो गई। बारिश के दौरान तेज गर्जना से लोग सहमे रहे। शारदापुर (सु) गांव में ग्रामीण अपने-अपने खेतों में व्यस्त थे।

धान लगाने का काम चल रहा था। गुरुवार दोपहर को धनबसिया (62) व उनका पुत्र हिमाचल (27) भी खेत में ही थे। आसपास के खेतों में दूसरे लोग भी काम कर रहे थे। अचानक झमाझम बारिश शुरू हो गई। आकाशीय गर्जना शुरू हो गई। मां - बेटे बारिश से बचने एक ही छाता के नीचे बैठ गए। आसपास दूसरे लोग भी थी। इसी बीच आकाशीय बिजली गिरी। मां - बेटे उसकी चपेट में आ गए। अगल-बगल लोगों को भी झटका लगा। तत्काल सभी को निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया। यहां जांच के बाद चिकित्सकों ने धनबसिया व हिमाचल को मृत घोषित कर दिया। शेष लोगों की स्थिति सामान्य है। उधर बरतीकला के खुले मैदान में चर रही 10 मवेशियां भी गाज से मर गई। इनमें कुछ बकरा-बकरी भी है। घटना से पशुपालकों को आर्थिक नुकसान हुआ है।

मिश्रा बने कलेक्टर

कोरबा। राज्य सरकार ने आज बड़ी संख्या में आईएएस अफसरों के तबादले किए हैं। जिसमें कोरिया, महासमुंद, बीजापुर के कलेक्टर भी प्रभावित हुए हैं। बीजापुर कलेक्टर के स्थान पर कोरबा जिला पंचायत में पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी संबीत मिश्रा को वहां कलेक्टर बनाया गया है। श्री मिश्रा भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2018 बेच के अधिकारी हैं। वे शीघ्र ही बीजापुर जिला मुख्यालय पहुंचकर अपना कार्यभार संभालेंगे।

मंडलो में हरेली पर्व की तैयारी

कोरबा। भाजपा के द्वारा सभी मंडलो में हरेली पर्व मनाने की तैयारी शुरू कर दी है। कही कही पर नारियल प्रतियोगिता तो कही पर गेढ़ी चढ़ने की तैयारी की जा रही है। कटघोरा मंडल में धन्नू दुबे ,अभिषेक गर्ग ,राजेन्द्र टंडन तैयारी कर रहे है। तो कुदमुरा मंडल में लक्ष्मी श्रीवास धनजंय चौहान दिनेश तिवारी के द्वारा पर्व मनाने के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार किया जा रहा है। कोसाबाड़ी नगर मंडल में सुमन सोनी, दिनेश वैष्णव रमा मिरी डा. जय लहरे सहित सभी कार्यकर्ता तैयारी कर रहे है। भाजपा के अलावा छत्तीसगढ़ महतारी सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष मोहन सिंह प्रधान के द्वारा भी कार्यकर्ताओं की बैठक ली गई है। कोरबा शहर में हरेली पर्व के पहचान के लिए छत्तीसगढ़ महतारी सेवा समिति ने काफी काम किए है। चूकिं यह ग्रामीण क्षेत्र का त्योहार है। इसलिए शहरी क्षेत्रों में त्यौहार को मनाने तेज गति से प्रयास किए गए है। मोहन प्रधान से सभी जिलों के कार्यकर्ताओं को दिशानिर्देश दिया है। शहरी क्षेत्र में इस त्यौहार को मनाने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की जरूरत है।

किशोरी को माचाडोली से किया बरामद

कोरबा। बांगो पुलिस ने एक किशोरी के लापता होने के मामले में जांच पड़ताल करने के साथ कार्रवाई की। थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी को माचाडोली से बरामद किया गया है। उसने पूछताछ में किसी प्रकार की अनहोनी से इनकार किया। किशोरी के लापता होने पर परिजनों ने चिंता जताई थी और पुलिस को अवगत कराया था। इस पर संज्ञान लेने के साथ अगली कार्यवाही की गई। बयान दर्ज करने के साथ किशोरी को परिजनों के सुपुर्द किया गया।

*कोरबा। श्रावण महीने में अनेक शिवालयों में धार्मिक अनुष्ठान का सिलसिला चल रहा है। कई स्थान पर प्रतिदिन रुद्राभिषेक संपन्न किये जा रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति दर्ज हो रही है।

विधि की डिग्री का इंतजार है इन हाथों को इसलिए साफ-सफाई करना भी मंजूर

कोरबा। मन में इच्छाशक्ति हो तो पढ़ने-लिखने से लेकर आगे के लक्ष्य को सुनिश्चित करने में कुछ भी कठिन नहीं होता। अतीत में कई ऐसे उदाहरण सामने आ चुके हैं और उसमें कई लोगों इस धारणा को साबित कर दिखाया है। इससे प्रेरित होकर इस जमाने के युवा छोटे-मोटे काम से जुड़कर उच्च शिक्षा लेने के लिए बढ़ चले हैं। साफ-सफाई के काम में संलग्न अमित सुरन्द्रे का नाम भी शामिल है इस कड़ी में। उनका सपना भविष्य में ऊंचे दर्जे का अधिवक्ता बनने का है। उन्होंने विधि संकाय में प्रवेश लेने के साथ दो सेमेस्टर क्वालीफाई कर लिए हैं।

सड़कों पर साफ-सफाई समेत दूसरे कामकाज करने वाले लोगों को देखकर आप बात का आंकलन बिल्कुल नहीं कर सकते कि वह कौन है और उनका इरादा आगे क्या करने का है। सामान्य तौर पर डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन से लेकर स्ट्रीट स्वीपिंग के काम से लगे हुए कई लोगों के बारे में जब जानकारी जुटाई गई तो चौकाने वाले तथ्य सामने आए। राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर फैली बेरोजगारी की समस्या के कारण इन लोगों ने पढ़ने के साथ छोटे काम को करना स्वीकार किया। उन्होंने यह नहीं देखा कि काम का स्तर क्या है और लोग ऐसा करते हुए देखकर क्या सोचेंगे। कोरबा के गेरवाघाट क्षेत्र में रहने वाले अमित सुरन्द्रे ने स्वच्छता संबंधी पेशे को अपनाने के साथ जहां परिवार को आर्थिक रूप से ऊंचा उठाने का प्रयास किया वहीं अपनी अच्छी पढ़ाई का खर्चा निकालने का ताना-बाना भी बुन लिया। उसकी पूरी शिक्षा कोरबा शहर से ही हुई है। यूपी के महोबा जिले से वास्ता रखने वाले अमित छत्तीसगढ़ में सामान्य संवर्ग में शामिल हैं और इसी कोटे से पढ़ाई के साथ दूसरे कामकाज को करने में बिना किसी संकोच के आगे बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से इस युवक पर हमारी नजर थी, जिन्हें पानी टंकी जोन के अंतर्गत आने वाले शारदा विहार वार्ड और अन्य क्षेत्र में इस प्रकार के काम करने के बीच समय निकालकर पढ़ाई करते हुए देखा जा रहा था। उत्सुकतावश जब जानकारी हुई तो मालूम चला कि मजबूरी कहें या आवश्यकता, इस बात को ध्यान में रख उन्होंने काम के साथ पढ़ाई करना जारी रखा है। पहले कला संकाय में स्नातक पूरा किया और अब वकालत की शिक्षा प्राप्त करने पर ध्यान दिया। अमित ने बताया कि उनके पिता बबलू सुरन्द्रे की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि बच्चों के लिए बेहतर किया जा सके इसलिए हमने अपने इरादे को मजबूती देने के लिए ऐसा किया। खुशी इस बात की है कि अब घर के लिए आर्थिक योगदान दे रहे हैं और भविष्य गढ़ने के लिए रास्ते खुद निकाल लिये हैं। प्रायमरी से लेकर हायर सेकेंडरी ही नहीं बल्कि स्नातक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने वाले अमित ने विधि के प्रथम दोनों सेमेस्टर उच्च अंकों से उत्तीर्ण करने में सफलता प्राप्त की। उसे उम्मीद है कि अंतिम परीक्षा भी कुछ ऐसे ही अंकों के साथ उत्तीर्ण कर ली जाएगी। उन्होंने आस्था वाली दृष्टिकोण के साथ बताया कि शिक्षा सबके लिए जरूरी है और मेरा मानना है कि यह जीवन के हर क्षेत्र में सम्मान दिलाने का सबसे बड़ा माध्यम बनती है। सामाजिक और दूसरे स्तर पर जिस प्रकार की समस्या और चुनौतियां हैं, उसके लिए विधि क्षेत्र में शामिल होकर न केवल केरियर बनाया जा सकता है बल्कि अधिकारों के बारे में बड़े वर्ग को सजग किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अब तक के दौर में कई लोगों से अच्छी शिक्षा के लिए प्रेरणा मिली है और इसी का नतीजा है कि आज वे यहां तक बढ़ सके हैं।

जाति प्रमाण पत्र की चिंता नहीं

चौतरफा जाति जनगणना और जाति प्रमाण पत्र के साथ कोटा को लेकर मची हुई हायतौबा के बीच अमित सुरन्द्रे ने इस बात की चिंता बिल्कुल नहीं कि छत्तीसगढ़ में उसे प्रमाण पत्र के चक्कर में नुकसान हो रहा है। यूपी के निवासी अमित को वहां शेड्यूल कास्ट में रखा गया है लेकिन छत्तीसगढ़ में उसकी जाति इस संवर्ग में नहीं है। इसलिए वह इस झमेले से बाहर रहकर अपनी क्षमता के दम पर आगे बढ़ रहा है।

गलत मेमो ने उलझन में डाला पोस्टमार्टम में देरी से परेशानी

कोरबा। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद एसईसीएल के एक कर्मचारी की मौत हो गई। उसके शव का पोस्टमार्टम 15 घंटे बीतने के बाद भी नहीं हो सका। इससे परिजनों ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर नाराजगी जताई। खबर के अनुसार गलत मेमो भेजने के कारण पुलिस ने सुधार करने की बात कही और इसी को लेकर मामला उलझ गया।

एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र में काम करने वाले दीपक यादव कुसमुंडा परियोजना में कार्यरत थे, जिनकी हादसे में मौत हो गई। इस घटना में दर्री प्रगति नगर मार्ग पर दो बाइक के बीच आपस में हुई टक्कर में चार लोग घायल हो गए थे। दीपक को आखिरकार नहीं बचाया जा सका। बताया गया कि पिछली रात 10 बजे दीपक ने अस्पताल में अंतिम सांस ली। इसके बाद मेडिकल कॉलेज के द्वारा काफी समय बाद पुलिस चौकी को जो मेमो भेजा गया उसमें त्रुटि कर दी गई थी। आवश्यक परीक्षण के साथ पुलिस ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया को टाल दिया और दूसरा मेमो भेजने को कहा। इस सामान्य काम को करने में अस्पताल ने काफी समय लिया। ऐसे में पोस्टमार्टम का काम अटक गया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के रवैये को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस चक्कर में अंतिम संस्कार बाधित हो रहा है।

वन विभाग कुंभकर्णी नींद में : प्रवासी पक्षियों के बच्चे कैसे बचेंगे इस दौर में

कोरबा। प्रवासी पक्षियों का प्रजनन के बाद अब अंडे से बच्चे बाहर आने लगे हैं परंतु वन विभाग अभी भी इस पर ध्यान नही दे रहा है ,अभी तक मंदिर के आसपास पेड़ो में न तो नेट बिछाया गया है ,न ही तड़ित चालक लगाया गया है। पहले जो तड़ित चालक लगा हुआ था वो भी खराब हो गया है, श्रावण माह में आने वाले श्रद्धालुओं को जागरूक करने के लिए वाल पेंटिंग और फ्लेक्स के माध्यम से जागरूक किया जाना था परंतु वो भी नहीं हो पाया ,हर साल बरसात में गाज की चपेट में आने से कई प्रवासी पक्षियों की मौत हो जाती है, इस पर वन विभाग को ध्यान नही दे रहा है, युवा संगठन कनकेश्वर सेवा समिति द्वारा भी कई बार अवगत कराया गया परन्तु इस पर ध्यान नही दिया जा रहा है, आखिर क्यों वन विभाग प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के इंतजाम नहीं कर रहा। इस मामले में डीएफओ कोरबा ने जानकारी दी है कि स्वीकृति मिलने के बाद कार्य किया जाएगा, अभी तक राशि स्वीकृत नहीं हुई है।

*कोरबा। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अतिवृष्टि के कारण कई प्रकार की चुनौतियां हैं। एक-दो स्थान पर वर्षों पुराने पुल के क्षतिग्रस्त होने से कई गांवों का आवागमन बाधित हो गया है। लोगों को लंबी दूरी लगाने की मजबूरी झेलनी पड़ रही है।

सफाई कर्मचारी संघ ने अधिकारियों से की मुलाकात

कोरबा। एसईसीएल सुराकछार में कार्यरत रहे ननकी के परिजनों को अभी तक नौकरी नही मिल पायी है स्व. ननकी की पत्नी सावनी बाई लगातार कार्यालय का चक्कर लगा रही है। उनके कागजात नही मिल पा रहे है। सफाई कर्मचारी महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सिंकदर उसरवर्षा ने एसईसीएल मुख्यालय जाकर अधिकारियों से मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि सावनी बाई के पुत्र नौकरी करना चाहते है। लेकिन कागजात की गायब है। इस मामले को सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एमके केंवटस व शिष्टा के अध्यक्ष सीएमडी के सामने रख चुके है। इस मामले को सीएमडी ने काफी गंभीरता से लिया है। जिसके बाद से गुमे हुए कागकात को खोजने का काम किया जा रहा है। सुराकछार प्रबंधन को वरिद गति से काम करने की जरूरत है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल के छात्रों ने जाना ट्रैफिक रूल्स

कोरबा। कटघोरा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में जनजागरूकत अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस ने विजिट किया। यहां पर विद्यार्थियों को ट्रैफिक रूल्स के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि सड़कों पर आवागम के दौरान क्या सावधानियां रखनी चाहिए। निश्चित आयु के बाद ही युवा व्हीकल्स का इस्तेमाल करें और इस दौरान भी दोपहिया चलाने की स्थिति में हेलमेट जरूर लगाएं। पुलिस ने बताया कि नियम का उल्लंघन करने पर कार्रवाई का प्रावधान है और ये सबके लिए बंधनकारी हैं।

जहां नहीं कोई व्यवस्था, ऐसे विद्यालयों में पढ़ाएंगे शताधिक अतिशेष शिक्षक

शिक्षा विभाग ने आदेश किया जारी

कोरबा। जिले में सरकार की ओर से संचालित किए जा रहे अलग-अलग केटेगरी के विद्यालयों को बेहतर करने के लिए कोशिश चल रही है। शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद व्यवस्था का विश्लेषण किया जाना जारी है। शिक्षा विभाग ने रिपोर्टिंग कराने के साथ उक्त विद्यालयों में 106 सरप्लस शिक्षकों की पदस्थापना कराई है जो या तो शिक्षकविहीन थे या एकल शिक्षक थे। इससे व्यवस्था ठीक होगी और पढ़ाई ठीक होगी।

जिले के पांच विकासखंड के अंतर्गत ली गई जानकारी के आधार पर इतने शिक्षक सरप्लस मिले हैं। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या के अनुपात में पदस्थ शिक्षकों की संख्या पता की गई। इस आधार पर स्पष्ट हुआ कि 106 शिक्षक अतिशेष हैं और संबंधित संस्थाओं में इनकी उपयोगिता नहीं है बल्कि इनकी सेवाएं कहीं और ली जानी चाहिए जहां वाकय आवश्यकता है। शिक्षा विभाग ने ऐसे शिक्षकों को कमी से जूझ रहे संस्थाओं में भेजने का आदेश जारी किया है। बताया गया कि शिक्षकों की सहमति से उनकी पदस्थापना जिला शिक्षा अधिकारी तामेश्वर उपाध्याय ने की और पठन-पाठन शुरू कराने को कहा। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज चौबे, उपाध्यक्ष नरेंद्र चंद्रा, राजेंद्र नायक और अन्य ने इस आदेश का स्वागत किया। कहा गया कि इस व्यवस्था से निश्चित तौर पर उन संस्थाओं की व्यवस्था बेहतर होगी और विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा जहां पर शिक्षकों की कमी से समस्याएं थी। विषय पर गंभीरता दिखाने के साथ जो कार्य किया गया है वह अच्छा है और यह परिणाम देने वाला साबित होगा।

6 अगस्त को मेगा बैठक

शिक्षकों से जुड़ी कई समस्याओं को लेकर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन 6 अगस्त को जिले के सभी संकुल में पालक शिक्षक मेगा बैठक कर रहा है। इसमें समस्याग्रस्त विद्यालयों में शिक्षकों की पदस्थापना, सितंबर 2023 से दिसंबर 2023 का वेतन लंबित है उन्हें इसका भुगतान करने और अन्य विषय पर रणनीति बनाई जाएगी। इसके लिए सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

किसी काम की नहीं डिस्पेंसरी दवाईयों के लिए कर्मी परेशान

कोरबा। एसईसीएल कुसमुंडा परियोजना में केएसएस और अधिकारियों का मध्य आईआर की वार्ता आयोजित की गई है। जिसमें दवाईयों की कमी का मुद्दा जोर शोर से उठाए जाएगा । डिस्प्रेन्सरी सहित मुख्य चिकित्सालय में जाकर कामकागों को वापस लौटना न पड़े इस संबंध में जानकारी देते हुए केएसएस के शॉजीजॉन व समार सिंह ने बताया कि वर्तमान में खासी सर्दी बुखार का मौसम चल रहा है। कोयला कामगार अपनी इलाज के लिए डिस्प्रेन्सरी में जा रहे है। इलाज की सुविधा व दवाईयों की कमी का मामला कई बार सामने आ जाता है। प्रबंधन को इस मामले में और गंभीर होना होगा। कोयला कामगारों की आवासों के समस्याओं को भी सामने रखा जाएगा। अनेको आवास काफी पुराने हो चुके है। इन आवासों में मरम्मत कराए जानें की जरूरत है। कोयला कामगार अपनी समस्याओं को शिविर विभाग में जाकर आयोजन के माध्यम से सामने रखते है। छुटपुट काम तत्काल हो जाते है। लेकिन बड़े कार्यो के लिए कोयला कामगारों को इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा आवास की कमी भी यहां पर है। बाहर से स्थातरंनण होकर आए कामगारों को काफ परेशानी उठानी पड़ रही है। इस क्षेत्र में अतिरिक्त आवास बनाए जाने की जरूरत है। कोयला कामगार को जरूर हाउस रेन्ट मिलता है। हाउस रेन्ट समस्या का हल नही है। इसी तरह और भी अनेकों मुद्दों को प्रबंधन के सामने रखा जाएगा कोयला कामगार पदोन्नति के लिए चक्कर लगाते है। केएसएस के द्वारा पूर्व में इन सभी मुद्दों को उठाया गया था। अभी भी कई मामले वहां लंबित है। समस्याओं को दूर करने के लिए प्रबंधन को और तेज गति के साथ प्रयास करने की जरूरत है।

ऊं भूर्भुवः स्व तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात

कार्यालय प्राचार्य गायत्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

(गायत्री विद्या मंदिर समिति, कोरबा द्वारा संचालित)

फोन नं. : (07759247007)

Email-gayatrischoolkorba@gmail.com

आवश्यकता है

गायत्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रानी रोड कोरबा में निम्नलिखित विषय शिक्षकों की आवश्यकता है।

1. अंग्रेजी शिक्षक - 01 पद (संबंधित विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर, बी.एड.)
2. भौतिक शिक्षक - 01 पद (संबंधित विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर, बी.एड.)
3. गणित शिक्षक- 01 पद (संबंधित विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर, बी.एड.)

इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों के साथ दिनांक 08.08.2024 को विद्यालय में प्रातः 10 बजे साक्षात्कार हेतु उपस्थित होवें।

दिनेश कुमार सिंह
व्यवस्थापक, गायत्री विद्या मंदिर समिति कोरबा

बालको ने भारतीय मानक ब्यूरो से प्राप्त किया सातवां प्रमाणन

कोरबा। वेदांता एल्यूमिनियम की बाल्को यूनिट में बनने वाली 12एमएम वायर रॉड अब भारतीय मानक ब्यूरो से प्रमाणित है; इसने 6 अतिरिक्त उत्पाद श्रेणियों के लिए पुन:प्रमाणन भी प्राप्त किया है।भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने घोषणा की है कि भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को), कोरबा, छत्तीसगढ़ में बनने वाली 12एमएम वायर रॉड को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रमाणित किया गया है। इस नई प्रमाणित 12एमएम एल्यूमिनियम वायर रॉड के कई विविध उपयोग हैं; मुख्य रूप से इलेक्ट्रिकल व पावर ट्रांस्मिशन में इसका इस्तेमाल किया जाता है; इस रॉड की चालकता बेहतरीन है, यह हल्की व टिकाऊ है।

वेदांता एल्यूमिनियम भारत एल्यूमिनियम उद्योग की पहली कंपनी है जिसने अपने अनेक एल्यूमिनियम उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन हासिल किए हैं। यह नया प्रमाणन बेमिसाल उत्पाद क्वालिटी एवं एल्यूमिनियम उद्योग में निरंतर नवाचार हेतु कंपनी की प्रतिबद्धता का परिचायक है। 12एमएम वायर रॉड के नए बीआईएस प्रमाणन के साथ ही ब्यूरो ने कंपनी की 6 अतिरिक्त उत्पाद श्रेणियों का पुन:प्रमाणन भी किया है: ईसी इनगॉट, अलॉय इनगॉट, प्राइमरी इनगॉट, रोल्ड शीट, रोल्ड कंडक्टर प्लेट व रोल्ड प्लेट सामान्य इंजीनियरिंग उद्देश्यों के लिए- ये सभी कंपनी की बाल्को इकाई में बनाए जाते हैं। इन प्रमाणनों के साथ वेदांता की बाल्को यूनिट के पास अब 7 बीआईएस प्रमाणन हो गए हैं, जो कुल 17 उत्पादों को अपने दायरे में लेते हैं, इनसे कंपनी को बाजार में बहुत फायदा मिलेगा।

गुणवत्ता उत्कृष्टता पर वेदांता एल्यूमिनियम के फोकस के बारे में कंपनी के सीईओ जॉन स्लेवन ने कहा, ''वेदांता एल्यूमिनियम में हम निरंतर ऐसे आला दर्जे के एल्यूमिनियम उत्पाद प्रस्तुत करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हैं जो उच्चतम मापदंडों को पूरा कर सकें। ये बीआईएस प्रमाणन हमारे कड़े क्वालिटी कंट्रोल और उन्नत उत्पादन तकनीकों को दर्शाते हैं, इनके बल पर हम विविध उद्योगों एवं वैश्विक ग्राहकों को सेवाएं दे पाएंगे। हमारे पास ऐसे उत्पादों की विविधतापूर्ण रेंज है जिन्हें उद्योग के मानकों से भी आगे बढ़ जाने के लिए डिजाइन किया गया है।'' स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, हरित इमारतें, हाईटैक् मैन्युफैक्चरिंग एवं सस्टेनेबल पैकेजिंग में अपरिमित अनुप्रयोगों के साथ एल्यूमिनियम न्यून-कार्बन भविष्य के लिए बेहद महत्व का है। भारतीय मानक ब्यूरो देश के उद्योगों के लिए गुणवत्ता मानकों को परिभाषित करने वाली शीर्ष संस्था है। यह ब्यूरो कड़े मूल्यांकन पद्धतियों पर अमल करने के बाद बीआईएस स्टैंडर्ड मार्क जारी करता है, मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों पर क्वालिटी की पहचान के तौर पर यह प्रतिष्ठित मोहर लगाई जाती है। ये प्रमाणन फिर दोहराते हैं कि वेदांता एल्यूमिनियम अपने उत्पादों को गुणवत्ता युक्त और विश्वसनीय बनाने के अपने वादे को निरंतर पूरा कर रही है। कंपनी बीआईएस के साथ मिलकर उन एल्यूमिनियम उत्पादों एवं कच्चे माल के लिए मानक विकसित कर रही है जिनके लिए उपयुक्त गुणवत्ता मानक वर्तमान में अस्तित्व में नहीं हैं।

वेदांता के एल्यूमिनियम उत्पाद लंदन मेटल ऐक्सचेंज में पंजीकृत हैं, यह उनके अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों की निर्विवाद गवाही है। कंपनी सक्रियता से बीआईएस प्रमाणन हासिल करने को प्रयासरत है ताकि भारतीय ग्राहकों में भरोसा जागे कि जो एल्यूमिनियम वे खरीद रहे हैं वह देश के सर्वोच्च गुणवत्ता मानक प्राधिकरण से प्रमाणित है। इसे हासिल करने के लिए वेदांता एल्यूमिनियम मेटल मैन्युफैक्चरिंग में दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों को अमल में लाती है, परिष्कृत प्रक्रियाओं का उपयोग करती है, गहन अनुसंधान एवं विकास करती है तथा उभरती तकनीकी स्टार्टअप व दुनिया भर के विशेषज्ञों के साथ काम करती है। यही कारण है कि आज यह कंपनी लगभग 60 देशों अपने ग्राहकों की पसंदीदा आपूर्तिकर्ता है। वेदांता एल्यूमिनियम एल्यूमिनियम उत्पादों की सबसे विस्तृत रेंज का विनिर्माण करने वाली कंपनियों में से एक है। वेदांता एल्यूमिनियम के उत्पाद जैसे रिस्टोरा-लो कार्बन एल्यूमिनियम, बिलेट, वायर रॉड, अलॉय इनगॉट व कास्ट बार, एआईएसआई टी-इनगॉट, स्लैब व रोल्ड प्रोडक्ट विभिन्न उद्योगों में काम आते हैं जिनमें एयरोस्पेस से लेकर ऑटोमोबाइल, बिल्डिंग एवं कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रिफिकेशन, इंजीनियरिंग, पैकेजिंग, कंज्यूमर गुड्स आदि शामिल हैं।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com